मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक-231 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
05 फरवरी 2024 सोमवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

शंकर महादेवन के बैंड शक्ति की जीत

ग्रैमी अवॉर्ड्स में मोदी के 'एबंडेंस इन मिलेट्स' की हार, जाकिर हुसैन का 'पाश्तो' जीता

नई दिल्ली, एजेंसी।

संगीत की दुनिया के सितारों वाले ग्रेमी अवार्डस समारोह में इस बार 94 अलग-अलग कैटिगरी को एक समारोह में विजेता मिले। इसमें तमाम हॉलिवुड सिंगर्स और म्यूजिशियन ने बाजी मारी है, वहीं भारत से चार रत्नों ने देश का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है।

लेकिन ग्रैमी अवॉर्ड्स के नॉमिनेशन की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लिखा हुआ गाना 'एबंडेंस इन मिलेट्स' को पछाड़कर जाकिर हुसैन की 'पाश्तो' ने बाजी मार ली है। मोदी के इस गाने को 'बेस्ट ग्लोबल म्यूज़िक परफॉर्मेंस' कैटिगरी में नॉमिनेट किया गया था।

बताया जाता है कि इस गाने को प्रधानमंत्री मोदी और भारतीय अमेरिकी सिंगर फालू शाह और उनके पति गौरव शाह के साथ मिलकर लिखा था। इसे गाया है फाल्गुनी शाह और गौरव शाह ने। इस गाने में अन्न को लेकर पीएम मोदी की स्पीच भी है। यह पहली बार रहा कि किसी राजनेता को ग्रैमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट किया गया। पीएम द्वारा लिखा हुआ ये गाना पिछले साल 16 जून 2023 को रिलीज किया गया था। इसमें देश में होनेवाली बाजरा की खेती और अनाज के तौर पर इसके फायदों के बारे में बताया गया है। गाने का मकसद किसानों को बाजरा उगाने का संदेश देना था ताकि इससे दुनिया में भुखमरी खत्म की जा सके। इस कैटिगरी में 'पाश्तो' विनर रहा और इस साल का ग्रैमी अवॉर्ड्स पाने में सफल रहा, जिससे जाकिर हुसैन जुड़े हुए हैं।

भारतीय कलाकारों ने बाजी मारी

इस साल भारतीय कलाकारों ने इस अवॉर्ड्स में बाजी मार ली है। इसमें 'ग्लोबल म्यूजिक परफॉर्मेंस' कैटिगरी में जाकिर हुसैन के अलावा 'ग्लोबल म्यूजिक एल्बम' कैटिगरी की विनर शंकर महादेवन का बैंड 'शक्ति' रही है, जिसे 'दिस मोमेंट' के लिए ये अवॉर्ड मिला है। बीती रात लॉस एंजिल्स में 66वें ग्रैमी अवॉर्ड्स समारोह में सिंगर टेलर स्विफ्ट, ओलिविया रोड्रिगो, माइली साइरस और लाना डेल रे ने कई ग्रैमी अवॉर्ड्स अपने नाम किए। टेलर स्विफ्ट ने अपना 13वां ग्रैमी जीता, जबकि बिली इलिश की 'व्हाट वाज आई मेड फॉर' फिल्म 'बार्बी' के गीत को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ गीत घोषित किया गया।

उत्तर भारत में बारिश से मप्र पर असर

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में ठंड के बीच बारिश और बर्फबारी होने से मौसम का मिजाज बदल गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में उत्तर भारत के कुछ राज्यों में ठंड बढ़ सकती है। वहीं, हिमालय में पश्चिमी विभोक्ष के चलते पूरे उत्तर भारत में बारिश और कुछ हिस्सों में बर्फबारी होने के आसार हैं। स्काईमेट के मुताबिक जेट स्ट्रीम हवाएं जारी हैं और एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिमी राजस्थान और इससे सटे पाकिस्तान पर है जिससे कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी है। इससे उत्तर प्रदेश, पंजाब के कुछ हिस्सों, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

टीम इंडिया जीत के करीब

विशाखापट्टनम, एजेंसी।

भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला विशाखापत्तनम में जारी है। इसमें भारतीय टीम जीत के काफी करीब है। टीम ने 399 रन का लक्ष्य रखा है, जिसके जवाब में इंग्लैंड की दूसरी पारी में छह विकेट गिर चुके हैं और व दो सौ रन ही जुटा सकी है। इस टेस्ट में इंग्लैंड के प्रसिद्ध 'बैजबॉल' पर भारतीय स्पिनर्स भारी पड़ते दिख रहे हैं। अश्विन 500 टेस्ट विकेट से बस एक विकेट दूर हैं।

पेज 7 देखें

संख्या बल में सोरेन सरकार आगे मगर संशय बाकी, बिहार में नई उलझन

झारखंड में सरकार बचाने की जद्दोजहद तेज, फ्लोर टेस्ट शुरू

रांची/पटना, एजेंसी।

झारखंड में आज चंपई सोरेन सरकार अपना बहुमत साबित करने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट दे रही है। सरकार को बचाने की जद्दोजहद मे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन भी ईडी की हिरासत से विधानसभा लाए गए हैं। वहीं बिहार में नीतीश सरकार को बहुमत साबित करने में कुछ परेशानी का सामना करना पड सकता है,क्योंकि जीतनराम मांझी का रुख संदिग्ध हो चला है।

बहुमत परीक्षण से पहले राज्यपाल का अभिभाषण हुआ। इस दौरान हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारों व हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण शुरू किया। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद फ्लोर टेस्ट होगा। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार देश का लाखों करोडों रूपये लेकर विदेश में बैठे लोगों का बाल बांका नहीं हो रहा है। बेगुनाह चपेट में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड आदिवासी दलितों का राज्य है। इसने देश को समृध्द बनाया है। सीएम चंपई सोरेन ने सदन को संबोधित किया। सोरेन ने कहा कि सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की गई। लेकिन हेमंत है तो हिम्मत है। सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि कोरोना काल में राज्य के मजदूरों को हवाई जहाज से लाया गया।

झारखंड के दलीय गणित

81 सदस्यीय सदन में सत्तारूढ़ जेएमएम कांग्रेस राजद गठबंधन के 47 विधायक हैं, बहुमत का आंकड़ा 41 है। 43 विधायक चंपई सोरेन का समर्थन कर रहे हैं। माना जा रहा है कि सोरेन को परेशानी नहीं आएगी। भाजपा के पास 25 विधायक हैं और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के पास तीन विधायक हैं। राकांपा और एक वामपंथी दल के पास एक-एक और तीन निर्दलीय विधायक हैं मगर इन सबको मिलाकार भी बहुमत का आंकड़ा बहुत दूर नजर आता है।

रांची में राहुल ने चलाई 200 किलो कोयले से लदी साइकल

झारखंड में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का आज चौथा दिन है। राहुल गांधी ने यात्रा की शुरुआत रामगढ़ के महात्मा गांधी चौक से की। उन्होंने इस दौरान एक साइकिल पर कोयला ले जा रहे युवाओं से मुलाकात की तथा 200 किलो कोयले से लदी साइकिल को चलाया भी। वे शाम को रांची में सभा करेंगे।

मांझी दो मंत्री पद पर अड़े, चिराग ने दी हवा

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले ही सियासत में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। जहां कांग्रेस में टूट का डर है तो दूसरी तरफ बिहार के सत्ताधारी गठबंधन एनडीए में भी सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।

नीतीश सरकार को समर्थन दे रहे एचएएम पार्टी के प्रमुख जीतनराम मांझी लगातार अड़े हैं कि उनकी पार्टी को सरकार में दो मंत्री पद दिए जाने का वादा किया गया था, उसे पूरा किया जाए। अभी मांझी के बेटे संतोष सुमन को मंत्री बनाया गया है। मांझी की मांगों का चिराग पासवान ने भी समर्थन देकर मुद्दे को हवा दे दी है। एक हफ्ते पहले भी मांझी को राजद की तरफ से ऑफर दिए जाने की खबरें आई थीं। 12 फरवरी को बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट है। विधानसभा में कुल 243 सीटें हैं। नीतीश को 122 विधायकों का समर्थन जरूरी है।

माइक पर पुलिस प्रशासन के समक्ष हाथ काटने की धमकी, सिंघम बना थानेदार

दमोह, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय पर एक विवाद के बाद पुलिस थाने के पास एकत्रित हुयी भीड़ में शामिल एक व्यक्ति ने माइक से पुलिस प्रशासन के समक्ष ही हाथ काटने तक की धमकी दे डाली। इसके बाद वहां मौजूद थाना प्रभारी ने अकेले ही यह दुःसाहस दिखाने वाले व्यक्ति को न सिर्फ ललकारा, बल्कि उसे उसकी औकात भी याद दिला दी।

इस बहादुर पुलिस अधिकारी आनंद सिंह ठाकुर का आज वीडियो वायरल हुआ है। इसमें दिखायी दे रहा है कि वे भीड़ में मौजूद आरोपी के पास जाकर उसे ललकारते हैं और यह कहते हुए सुना जा रहे हैं कि वे अकेले ही हैं, किसी में दम हो तो हाथ लगाकर दिखाओ। हालाकि हजारों की भीड़ के बीच और कुछ और भी पुलिस वाले मौजूद थे। वर्ग विशेष से आने वाले ये लोग एक विवाद के बाद थाने के समक्ष एकत्रित होकर किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। देर रात के घटनाक्रम में भीड़ में से नारेबाजी के बीच एक व्यक्ति ने माइक से एक तरह से पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि 24 घंटे के अंदर कार्रवाई नहीं हुयी, तो न हाथ रहेंगे और न ही शरीर पर गर्दन। यह सुनते ही वहां मौजूद थाना प्रभारी आनंद सिंह ठाकुर आग बबूला हो गए और उन्होंने मौके पर ही धमकी देने वाले आरोपी की लू उतार दी। थाना प्रभारी का साहस और रौद्र रूप देखकर भीड़ में शामिल अनेक लोग बगलें झांकने लगे और लोग उनसे माफी मांगने लगे।

दरअसल एक टेलर की दुकान से कपड़े सिलवाने को लेकर कुछ लोगों में विवाद हुआ। इसके बाद देर रात दो पक्ष आमने सामने आ गए। सैकड़ों हजारों लोग कोतवाली थाने के पास एकत्रित हो गए और कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे।

पीएम से मिले सीएम, अब शिवराज के इलाके जाएंगे

भोपाल दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज दोपहर बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिहं चौहान क्षेत्र में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंच रहे हैं। वे कल रात को दिल्ली गये थे जहां आज सुबह उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। वे दोपहर तीन बजे भोपाल लौटेंगे। इसके बाद वे बगवाड़ा, बुधनी में सम्राट विक्रमादित्य सैनिक स्कूल के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे।

लिफाफे पर अब मांडू का श्रीराम मंदिर

मांडू। चतुर्भुज श्रीराम मंदिर परिसर में मांडू पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर डा नृसिंह दासजी की मौजूदगी में पोस्ट मास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल ने चतुर्भुज श्रीराम मंदिर मांडू पर आधारित विशेष लिफाफे का अनावरण किया । केंद्र सरकार के डाक विभाग द्वारा जारी किए गए इस लिफाफे पर मांडू के श्रीराम मंदिर का चित्र प्रकाशित किया गया है। इसमें मांडू मंदिर का विवरण भी लिखा गया है। मांडू के मंदिर पर आधारित इस विशेष लिफाफे की कीमत 20 रुपये है।

मेट्रो एंकर | लोकसभा चुनाव के पहले वॉर रूम ट्रेजेडी

युध्द सिर पर, निहत्थे घूम रहे कांग्रेस के वॉरियर!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का जोरशोर से गठित वॉर-रूम दस-बारह दिन बाद भी काम नहीं शुरू कर चुका है। वॉर रूम 'कमांडर' महेंद्र सिंह चौहान अभी तक व्यवस्थाएं जुटाने का ही युध्द लड़ रहे हैं, इसके बाद भाजपा व अन्य मोर्चों से वार का काम शुरू हो पाएगा। इस वार रूम के कामकाज का फार्मेट एआईसीसी ने तैयार किया है। इसमें करीब आठ 'विभाग' भी शामिल रहेंगे। पहले से गठित कुछ पुराने सेल या प्रकोष्ठ से भी वार रूम की ट्यूनिंग बनना अभी बाकी है।

जानकार सूत्र बताते हैं कि लोकसभा के चुनावी युद्ध के लिये जरूरी असबाब अभी तक वार रूम को मुहैया नहीं हो पाया है। इसमें कंप्यूटर प्रिंटर समेत कुछ उपकरण जरूरी हैं, लेकिन कुछ पूर्व अध्यक्ष के कार्यालय से लाए जाना बाकी है, कुछ नये की दरकार है। हालांकि पीसीसी में रखे कुछ कंप्यूटर्स वार रूम के लिये दिये गये हैं लेकिन यह काफी पुराने बताए जा रहे हैं और कहा तो यह जा रहा है कि यह कंप्यूटर बीते पांच साल से चले ही नहीं थे, लिहाजा इन्हें अपडेट कराया जा रहा है। बताया जाता है वार रूम के साथ सोशल मीडिया,कम्युनिकेशन,ट्रेनिंग,कॉल सेंटर,सिविल सोसाइटी,लीगल,बड़े नेताओं के दौरे,सभाएं आदि के काम भी जोड़े गये हैं। इन सभी से समन्वय करने में वार रूम अध्यक्ष चौहान जुटे हुए हैं।

कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम का काम बीते विधानसभा चुनाव के पहले कमलनाथ कार्यकाल में काफी विस्तृत किया गया था, उसका मुख्यालय भी नाथ का आवास बन गया था। अब उसका वार रूम में 'संविलियन' मुश्किल हो रहा है। कांग्रेस के बूथ व मंडलम सेक्टर भी इस वार रूम से कनेक्ट होंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने वार रूम अध्यक्ष के लिये चौहान समेत दो उपाध्यक्ष ललित सेन व अलमास सलीम की नियुक्ति की गई है। बेसमेंट में वार रूम की जगह बनाई गई है। हालांकि जिम्मेदारों का कहना है कि कुछ देर हुई है लेकिन वाररूम जल्द प्रभावी काम करने लगेगा।

स्क्रीनिंग शुरू, ढांचा बनना बाकी...

सूत्र बताते हैं कि दो महीने पहले कांग्रेस हाइकमान ने मप्र समेत अन्य राज्यों में भी व्यवस्थित वाररूम बनाने की योजना बनाई थी, इसमें सभी सीटों का पूरा डाटा,दावेदारों व अन्य पदाधिकारियों व नेताओं से समन्वय व सूचना संग्रहण का काम होना है। कांग्रेस ने दावेदारों की स्क्रीनिंग का पहला चरण भी पूरा कर लिया है, मगर वार रूम की विधिवत शुरूआत अभी अधर में हैं। हालांकि प्रदेश से लेकर जिलों व ब्लाक में अब तक कांग्रेस की नया ढांचा भी नहीं खड़ा हो सका है।

आज का कार्टून

एमपी बोर्ड : परीक्षा केंद्रों पर एक घंटे पहले पहुंचे विद्यार्थी, चेकिंग के बाद मिली एंट्री

आज से शुरू हुई 10वीं की परीक्षा, पहला पेपर हिन्दी का

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा सोमवार से शुरू हुई। पहला पेपर हिंदी का रहेगा। परीक्षा का समय सुबह 9 से दोपहर 12 बजे रहा। प्रदेशभर में कुल 9 लाख 92 हजार 101 विद्यार्थी 10वीं की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। इनमें 4 लाख 76 हजार 339 छात्राएं और 5 लाख 15 हजार 762 छात्र हैं। पहले दिन विद्यार्थी परीक्षा शुरू होने के एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। कड़ी चेकिंग के बाद परीक्षार्थी को प्रवेश दिया गया। नकल रोकने के लिए इस बार खास तैयारियां की गई है। पेपर आउट और नकल रोकने के लिए प्रत्येक केंद्र पर कलेक्टर प्रतिनिधि और पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा प्रत्येक केंद्र पर वीडियोग्राफी और सीसीटीवी कैमरे से भी निगरानी की जा रही है।

कुल 3,868 परीक्षा केंद्र, 309 अति संवेदनशील

माशिमं द्वारा दसवीं-बारहवीं की परीक्षा के लिए इस बार प्रदेशभर में कुल 3,868 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें 302 संवेदनशील और 309 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्र हैं। दोनों परीक्षाओं में इस साल करीब 17 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। इसमें बड़े शहरों में अधिकांश केंद्र निजी स्कूलों में बनाए गए हैं। ग्वालियर में 92 परीक्षा केंद्र में से 56 निजी स्कूल, इंदौर में 149 में से 85, भोपाल में 103 में से 53 तो जबलपुर में 101 में से 40 केंद्र निजी स्कूलों में बनाए गए हैं। भोपाल में कुल 16 केंद्र को संवेदनशील और अति संवेदनशील घोषित किया है। जिसमें अतिसंवेदनशील 10 और संवेदनशील 6 सेंटर शामिल हैं।

भोपाल। हाई स्कूल परीक्षा शुरू चेकिंग करता स्टॉफ।

46 साल की महिला दसवीं का एग्जाम देने पहुंची

भोपाल में 46 साल की महिला दसवीं की परीक्षा देने के लिए पहुंची। उन्होने बताया कि माता-पिता ने पढ़ाई नहीं करवाई। शादी हुई तो पति ने भी पढ़ने नहीं दिया। पढ़ाई नहीं करवाने और अन्य समस्याओं के उनका तलाक हो गया। अब वह दसवीं का एग्जाम दे रही हैं। उनका कहना है कि बच्चे ग्रेजुएट हैं।

कल से 12वीं की परीक्षा की शुरुआत

इस बार लोकसभा चुनाव के चलते 10वीं एमपी बोर्ड की परीक्षाएं 5 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी 2024 तक चलेंगी। वहीं बारहवीं की परीक्षा 6 फरवरी से शुरू होगी और 5 मार्च 2024 तक चलेगी। दसवीं की परीक्षा के पहले दिन हिंदी का पेपर और आखिरी दिन एनक्यूएसएफ और एआई के पेपर है। बारहवीं की परीक्षा के पहले दिन हिंदी का पेपर और आखिरी दिन छात्र उर्दू और मराठी के पेपर रहेगा।

डेढ़ साल से पत्नी का नंबर ब्लॉक, कोर्ट की समझाइश के बाद हुए एक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के कुटुंब न्यायालय और काउंसलर्स के प्रयासों से एक दंपति का परिवार टूटने से बच गया। मामले में विदेश में रह रहे पति ने डेढ़ साल से पत्नी का नंबर ब्लॉक किया हुआ था और दंपति का रिश्ता टूटने की कगार पर आ गया था। यहां तक कि मामले में परिवार भी तलाक के पक्ष में थे। पत्नी की ओर से कुटुंब न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत होने के बाद कोर्ट के माध्यम से समन पहुंचा और पति भोपाल कोर्ट में पेश हुआ। यहां दंपति को दो घंटा एक साथ बैठकर बात करने को कहा गया। इसके बाद जब कोर्ट को पता चला कि जनवरी में दोनों की एनिवर्सरी है तो उन्हें साथ सेलिब्रेट करने को कहा। पति-पत्नी को समझाया कि करीब तीन साल बाद मिल रहे हो। शादी की सालगिरह भी आ रही है। इस खास दिन को ऐसी जगह मनाओ, जहां से तुम अच्छी यादें साथ रख सको। दंपति ने बात मानी और वेकेशन से लौटकर कोर्ट को जानकारी दी कि वह दोनों साथ रहना और सभी केस खत्म करना चाहते हैं। पति ने कहा कि वह पत्नी का वीजा रिन्यू करवा रहा है और उसे साथ लेकर ही वापस जाएगा।

वेकेशन से लौटकर दंपति ने कहा- वह दोनों साथ रहना और सभी केस खत्म करना चाहते हैं

यह है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार, दंपति की शादी 2019 में हुई थी। युवक आस्ट्रेलिया में जांब करता है। शादी के आठ माह बाद पत्नी भी आस्ट्रेलिया पहुंची। यहां दोनों के बीच दिल की दूरियां इस कदर बढ़ी कि रूठ कर पत्नी, भोपाल आई तो पति ने उसकी सुध ही नहीं ली। यहां तक कि डेढ़ वर्ष पूर्व पति ने पत्नी और उसके परिजन का नंबर भी ब्लॉक कर दिया। आखिर पत्नी ने महिला थाने में शिकायत करने के साथ ही कोर्ट में भी भरण-पोषण का आवेदन लगाया। आखिर दिसंबर माह में पति, इंडिया आया। पत्नी को जानकारी लगने पर कोर्ट के माध्यम से समन पहुंचा और पति भोपाल कोर्ट में पेश हुआ।

भाजपा का दीवार लेखन अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने रोशनपुरा चौराहे पर दीवार लेखन किया। लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी 15 जनवरी से देश भर में दीवार लेखन अभियान चला रही है।

नीट एमडीएस के लिए 19 तक रजिस्ट्रेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट एमडीएस के रजिस्ट्रेशन के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नीट एसडीएस प्रवेश परीक्षा 18 मार्च को आयोजित की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार 19 फरवरी तक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में सुधार के लिए 22 फरवरी से 25 फरवरी तक समय दिया जाएगा। साथ ही इमेज करेक्शन के लिए 5 से 7 मार्च तक का समय मिलेगा। इस दौरान अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में हस्ताक्षर, फोटोग्राफ, अंगूठे का निशान सुधार कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट अस्टिेंट के लिए आवेदन 15 फरवरी तक

भोपाल। आरजीपीवी में प्रोजेक्ट अस्टिेंट के लिए आवेदन 15 फरवरी तक होंगे। यह डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फंडेड प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट एक साल के लिए हैं और इसके बाद में बढ़ाया भी जा सकता है। उम्मीदवार आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं।

इग्नू के 275 कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन 15 फरवरी तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में जनवरी सत्र 2024 में संचालित 275 से अधिक अकादमिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। आवेदन की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्नातक स्तर पर 19 कोर्स भी शुरू किए गए हैं। इसमें चार वर्षीय यूजी कोर्स भी शामिल हैं। इग्नू ने परास्नातक स्तर पर 5 नए पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। 4 पाठ्यक्रम विज्ञान के है जिसमें जूलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी, एनालिटिकल केमिस्ट्री एवं बायो केमिस्ट्री में एमएससी व पापुलेशन एंड फैमिली हेल्थ स्टडी में एमए की सुविधा है।

सरकार की जनकल्याणी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा गुरुनानक मंडल गांव/बूथ चलो अभियान की कार्यशाला का आयोजन नीलकंठ मंदिर में किया गया ।कार्यशाला में मुख्यवक्ता भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा ने कहा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को 'गांव /बूथ चलो' अभियान के माध्यम से उतारकर 58 प्रतिशत वोट प्राप्त करने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। केंद्र की योजनाएं हो या फिर राज्य की, सभी का लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है। सभी कार्यकर्ताओं का प्रयास हो कि अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पीएम मोदी की योजनाओं का लाभ पहुंचे। जिला उपाध्यक्ष गिरीश शर्मा ने कहा पीएम मोदी के देश के समग्र विकास के सपने को साकार करने के लिए भाजपा कार्यकर्ता बूथों में जाएंगे।

मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा कार्यकर्ता संपर्क कर भाजपा की रीति-नीति और सरकार के कार्यों को लेकर प्रत्येक बूथ पर संपर्क और संवाद करेंगे। महेश मकवाना ने बताया मंडल के सभी बूथों पर प्रवासी कार्यकर्ता 24 घंटे का समय देकर योजनाओं का प्रचार प्रसार करेंगे।

भाजपा गुरूनानक मंडल में बूथ चलो अभियान

सिंधी गीत, संगीत एवं भक्ति कार्यक्रम होंगे

विक्रमादित्य महोत्सव में चार दिनों का होगा आयोजन, बैठक हुई

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

राजा वीर विक्रमादित्य का 60वां वार्षिक महोत्सव संतनगर में परम्परागत ढंग से मनाया जाएगा। 15 मार्च से विक्रमादित्य मंदिर परिसर में चार दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है।

महोत्सव में लिए विक्रमादित्य महोत्सव समिति की बैठक अध्यक्ष किशोर तेजवानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी कैलाश आसूदानी, ईश्वरदास हिमथानी, चन्द्रप्रकाश ईसरानी, प्रतापराय तेजवानी, नारी तनवानी, लखमीचंद नरियानी, कन्हैयालाल मोरंदानी एवं मनोहर वीधानी आदि उपस्थित हुए।

बैठक में तय किया गया कि 15 मार्च को प्रेमचंद तेजवानी, नारीमल नरियानी एवं स्व. रूपचंद रायचंदानी की स्मृति में उल्हासनगर के सिंधी भक्ति गीतों की प्रस्तुति मोहनलाल भगत देंगे, जबकि 16 मार्च को मेले का विधिवत उदघाटन सुबह 10 बजे विक्रमादित्य मंदिर में किया जाएगा जिसमें विधायक रामेश्वर शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। इसी दिन रात को 9 बजे विश्व प्रसिद्ध सिंधी भगत भावनगर गुजरात के परमानंद प्यासी का भव्य कार्यक्रम होगा जबकि 17 मार्च को फिर से उल्हासनगर के मोहनला भगत का सिंधी भक्ति गीतों का कार्यक्रम होगा।

बैठक में किशोर तेजवानी ने अब तक हुए कार्यक्रमों की जानकारी दते हुए विक्रमादित्य महोत्सव समिति का पंजीयन कराने की बात कही और यह जिम्मेदारी संरक्षक कैलाश आसूदानी को दी गई। चार दिनी महोत्सव के लिए मप्र सिंधी साहित्य अकादमी एवं विधायक से अनुदान का आग्रह किया जाएगा। तेजवानी ने बताया कि समिति द्वारा गरीबों को अनाज का वितरण भी हर माह किया जाता है। इसके अलावा 11 माह तक महीने के एक शनिवार को भंडारे का आयोजन हुआ। बैठक में संत हिरदाराम नगर के सभी रहवासियों से चार दिवसीय विक्रमादित्य महोत्सव में शामिल होने की अपील की गई।

मेट्रो एंकर संत कंवरराम चौराहे पर आतिशबाजी, मिठाई बांटी

आडवाणी का सम्मान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा: सिंधी पंचायत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूज्य सिंधी पंचायत ने पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवानी को भारत रत्न देने की घोषणा पर उत्सव मनाया। आतिशबाजी की और मिठाइयां बांटीं।

पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी ने कहा कि महान व्यक्तित्व के धनी आदर्शवादी सिद्धांतों पर चलने वाले लालकृष्ण आडवाणी को 'भारत रत्न' से अलंकृत करने की घोषणा हमें हमेशा सच्चे देशभक्त, निःस्वार्थ समर्पित सेवा और कर्तव्य निष्ठ बनकर, देश का नाम रोशन करने की प्रेरणा एवं आशीर्वाद देती रहेगी। संस्कार परिवार के बसंत चेलानी ने कहा कि आडवाणीजी को इस शानदार सम्मान से सिंधी समाज की भी शान बढ़ी है। पंचायत द्वारा नगर के मुख्य मार्ग स्थित भगत कंवरराम चौराहे पर आतिशबाजी की गई, जिसमें पंचायत अध्यक्ष साबू रीझवानी, भरत आसवानी, नंद दादलानी, जगदीश आसवानी, माधव पारदासानी, हरीश मेहरचंदानी, राज मनवानी, बसंत चेलानी, महेश खटवानी, चन्द्रप्रकाश इसराणी, कन्हैया नागदेव, किशोर साधवानी, महेश गुरबानी, वासु गुलानी, राजन धनवाणी, रमेश वाधवानी, राजकुमार थावानी, प्रकाश वीधानी, सुरेश वासवानी, प्रकाश वीधानी, इंद्र भोजवानी, बबलू टेकचंदानी, ओम आसनानी, रमेश सोनी, बलू भावनानी, मुरली गुरबानी, हीरो आडवाणी उपस्थित थे। भाजपा मंडल ने भी लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न की घोषणा पर प्रधानमंत्री का आभार जताया। आडवाणीजी को बधाई दी। चंचल चौराहे पर भाजपाइयों ने आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। विधायक रामेश्वर शर्मा, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, राहुल राजपूत, मंडल अध्यक्ष कमल विधानी, चन्द्रप्रकाश इसरानी व बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद थे।

बजरंगियों ने दी बधाई

बजरंग सेना समिति ने लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न मिलने पर बधाई दी है और भारत सरकार का आभार जताया है। समिति के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी श्री राम मंदिर निर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त करने में अहम भूमिका रही है। बधाई देने वालो में समिति के अर्चक पुरोहित राज कुमार गर्ग, मुख्य सलाहकार रूप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, सलाहकार प्रभु मूलचंदानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, नरेन्द्र टहलानी, महेश दरयानी, किशोर साधवानी व अन्य है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलेगा रूका मानदेय

आशा को इंतजार: बजट मिला, इसी सप्ताह हो जाएगा भुगतान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पिछले दो महीने से मानदेय नहीं मिला है जिसके कारण उन्हें दर-दर की ठोंकरे खानी पड़ रही है। यह हाल प्रदेश के कई जिलों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की है।

अधिकारियों का कहना है कि बजट ही नहीं है तो भुगतान कहां से करें, उधर सरकार बार-बार कहती रही है कि किसी तरह की राशि की कोई कमी नहीं है और सबकुछ ठीक चल रहा है। इस खींचतान के बीच दो से तीन महीने से रूके मानदेय का भुगतान इसी सप्ताह किए जाने की तैयारियां की जा रही है क्योंकि महिला एवं बाल विकास विभाग को राशि मिल गई है।

असल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कई तरह की जिम्मेदारियों का निर्वहन करती है। इन्हीं कार्यकर्ताओं से आंगनबाड़ियां भी चलवाई जा रही है तो स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कई तरह के काम भी ले रहे हैं। ऊपर से पोषण, कुपोषण समेत किशोरियां समृद्ध कार्यक्रम भी इन्हीं के भरोसे हैं। भोपाल के ईदगाह क्षेत्र में काम करने वाली एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उन्हें काम पर कुछ विभागीय अधिकारी मजे काट रहे हैं, यहां तक कि जो काम अधिकारियों को करने होते हैं वे दबाव डालकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कराए जाते हैं और जब मानदेय दिलाने की बात आती है तो ऐसे अधिकारी सरकार की बुराई करके बच निकलते हैं।

आशा कार्यकर्ताओं को भी मानदेय का इंतजार

फाइल फोटो

इधर, आशा कार्यकर्ताओं को भी मानदेय का इंतजार है, इन्हें दो तरह की राशि नियमित नहीं मिल रही है। कटारा हिल्स क्षेत्र की एक आशा कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एनएचएम के अधिकारी सुबह से शाम तक उन्हें चार बार फोर करके खुद के टारगेट पूरा करवाते हैं और बदले में उन्हें 15 हजार रुपये कमीशन भी मिल जाता है लेकिन हम आशा कार्यकर्ताओं को समय पर मानदेय दिलाया जा रहा है और न ही विभिन्न तरह की जांच व अन्य कार्यक्रमों के बदले दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि दिलाई जा रही है। बाग सेवनिया क्षेत्र में काम करने वाली एक कार्यकर्ता ने बताया कि मानदेय मांगे जाने पर उन्हें काम से निकालने की मौखिक धमकियां दी जा रही है। 100 प्रतिशत प्रोत्साहन की राशि तो देते ही नहीं है।

राज्यसभा उम्मीदवारों पर मंथन किया भाजपा ने

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामों पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बीती देर रात तक मंथन हुआ। दो अप्रैल 2024 को पांच राज्य सभा सीटें रिक्त हो रही हैं। इन सीटों के लिए संभावित प्रत्याशियों के नाम को लेकर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चर्चा की गई है। दो दिन बाद सात फरवरी को फिर बैठक होगी, जिसमें पैनल बनाकर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य डा. सत्यनारायण जटिया, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डा. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, वरिष्ठ नेता डा. नरोत्तम मिश्रा, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह, रामपाल सिंह एवं महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने भाग लिया। इसके पहले मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से उनके आवास पर करीब बीस मिनट बैठक की। सूत्रों के अनुसार इसमें राज्य सभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई। दरअसल जल्द ही मध्य प्रदेश से दो अप्रैल को राज्य सभा की पांच सीटें रिक्त हो जाएंगी। इनमें भाजपा से अजय प्रताप सिंह, धर्मेंद्र प्रधान, कैलाश सोनी और डा. एल मुरूगन सदस्य हैं। जबकि, कांग्रेस से राजमणि पटेल का कार्यकाल पूरा हो रहा है। 230 सदस्यीय विधानसभा में दलीय स्थिति के अनुसार भाजपा चार सदस्यों को राज्य सभा भेजने की स्थिति में है तो कांग्रेस एक सदस्य भेज पाएगी।

चुनाव करीब हैं मंत्रियों की भूमिका अहम:

वहीं भाजपा के मप्र लोकसभा चुनाव प्रभारी डा. महेंद्र सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में लीडरशिप समिट के समापन सत्र में मंत्रियों से कहा कि लोकसभा चुनाव सामने हैं। मंत्रिमंडल की चुनाव में अहम भूमिका होगी। मंत्री अपने -अपने विभाग की योजनाओं को नीचे तक लेकर जाएं, अधिक से अधिक समय जनता के बीच गुजारें। जिले से लेकर बूथ तक चुनाव प्रबंधन को मंत्री स्वयं लीड करें। इस मौके पर चुनाव जीतने की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण भी मोहन मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। लीडरशिप समिट में मुख्यमंत्री सहित वरिष्ठ मंत्रियों ने नए मंत्रियों को विभाग चलाने के गुर भी सिखाए। सीएम ने कहा कि सुशासन की दिशा में मध्य प्रदेश अपनी नई पहचान बनाए इसके लिए कार्ययोजना बनाकर उपलब्धि प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांतों पर चलकर प्रदेश विकास पथ पर आगे बढ़ता रहेगा। दूसरे सत्र में डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने अन्य भाजपा संचालित राज्य सरकारों की सफल योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने गुजरात के बडोदरा में शुरू की गई जन-विश्वास बस योजना, केनाल टाप सोलर प्रोजेक्ट, शाला प्रवेश उत्सव, अहमदाबाद का बीआरटीएस, उत्तर प्रदेश का नकलमुक्त प्रदेश अभियान, एक जिला-एक उत्पाद योजना, हरियाणा की परिवार पहचान-पत्र योजना, महाराष्ट्र की जलयुक्त शिवार योजना, गोवा की स्वयं पूर्ण योजना और राजस्थान की अंत्योदय योजना के बारे में विस्तार से बताया।

नीट एमडीएस के लिए 19 फरवरी तक होंगे रजिस्ट्रेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) ने नीट एमडीएस के रजिस्ट्रेशन के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नीट एसडीएस प्रवेश परीक्षा 18 मार्च को आयोजित की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार 19 फरवरी तक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन में सुधार के लिए 22 फरवरी से 25 फरवरी तक समय दिया जाएगा। साथ ही इमेज करेक्शन के लिए 5 से 7 मार्च तक का समय मिलेगा। इस दौरान अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र में हस्ताक्षर, फोटोग्राफ, अंगूठे का निशान सुधार कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट अस्टिेंट के लिए आवेदन 15 तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो। आरजीपीवी में प्रोजेक्ट अस्टिेंट के लिए आवेदन 15 फरवरी तक होंगे। यह डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फंडेड प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट एक साल के लिए हैं और इसके बाद में बढ़ाया भी जा सकता है। उम्मीदवार आवेदन ऑफिशियल वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं।

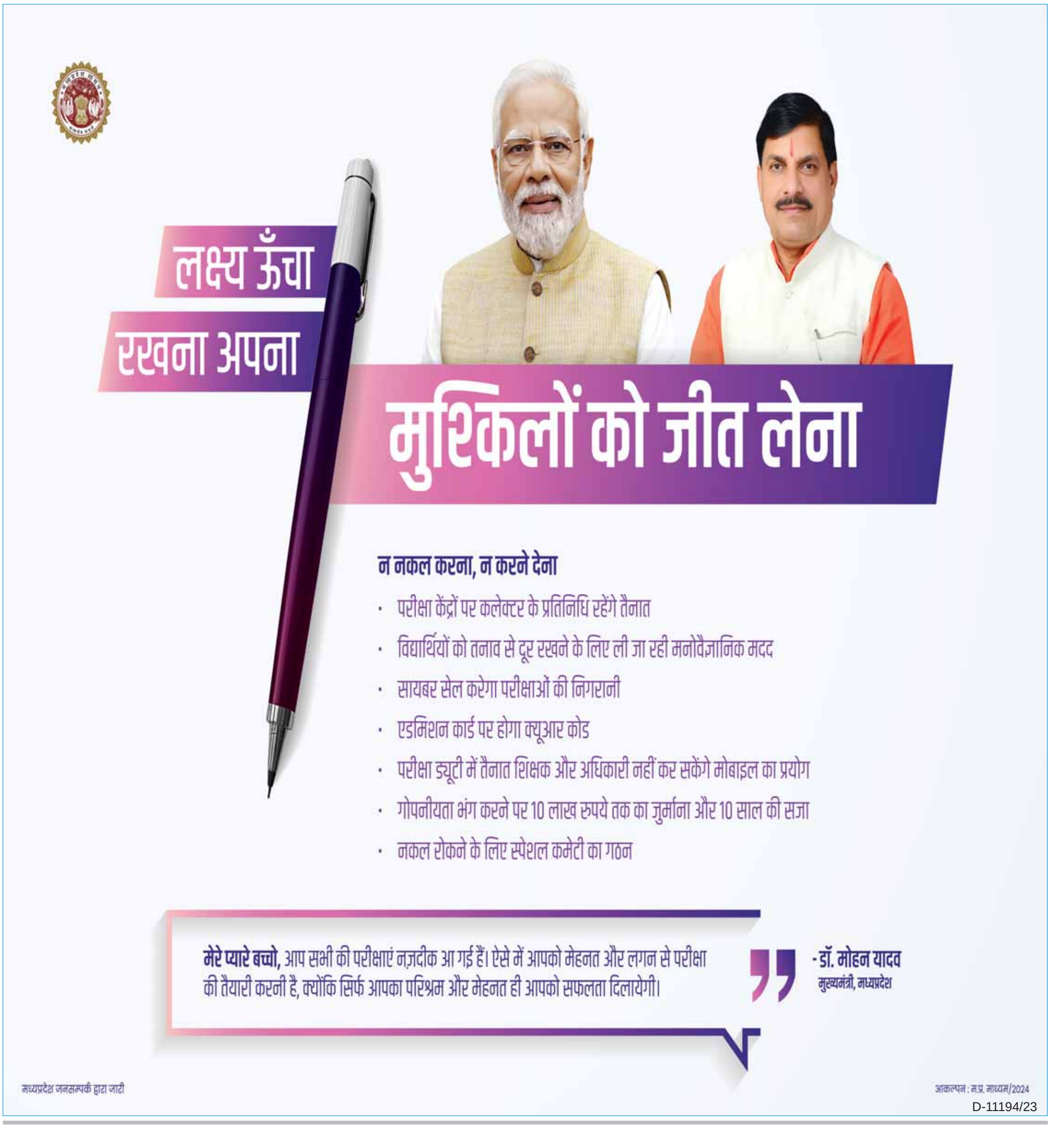

सुविचार

``क्यों डरें ज़िन्दगी में क्या होगा
कुछ ना होगा तो तज़रूबा होगा ''

-अज्ञात

संपादकीय

यात्रा और सियासत

झारखंड में भारी सियासी उथलपुथल के बाद अब कुछ शांति नजर आती है लेकिन अभी सत्तारूढ झारखंड मुक्ति मोर्चा को एक बड़ी लड़ाई जीतना बाकी है जो फ्लोरटेस्ट के रूप में आज हो रही है। पार्टी के कद्दावर नेता चंपई सोरेन ने शुक्रवार को राज्य के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली तो यह चुनौती साफ नजर आ रही थी,क्योंकि उन्होंने आननफानन अपने 35 से ज्यादा विधायकों को हैदराबाद भेज दिया। फिलहाल तो उनकी शपथ से वह शून्य खत्म हुआ, जो हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कुछ घंटों के लिए बन गया था। हालांकि सरकार बनाने को आमंत्रित किए जाने में जो कुछ घंटे की देर हुई राज्यपाल की ओर से उसकी वजह भी बता दी गई थी कि कोई भी कदम उठाने से पहले वह कानूनी राय-मशविरा कर लेना चाहते हैं। इसके बावजूद जेएमएम और विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर आशंकाएं जतानी शुरू कर दी थीं। इसके पीछे देश के राजनीतिक माहौल में पिछले कुछ समय से जड़ जमा चुके परस्पर अविश्वास की भूमिका तो थी ही, यह तथ्य गौरतलब था कि राज्य की 81 सदस्यों वाली विधानसभा में मौजूदा जेएमएम आरजेडी व कांग्रेस गठबंधन की विधायक संख्या बहुमत से कुछ ही अधिक है। वैसे तो उनके कुल 47 विधायक हैं लेकिन अभी 43 विधायक ही उनके समर्थन में खड़े नजर आ रहे हैं। ऐसे में यह डर बना हुआ है कि अगर कुछेक विधायकों का भी मन बदला तो उलटफेर हो सकता है। इसीलिये मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बावजूद चंपई सोरेन की आगे की राह कठिन है। पहले तो उन्हें यही देखना होगा कि वह राज्यपाल की ओर से निर्धारित दस दिनों की समय सीमा के अंदर विधानसभा में अपना बहुमत साबित कर दें। पार्टी और परिवार में कथित असंतोष की खबरों के मद्देनजर सबको साथ रखने की यह चुनौती चंपई सोरेन के लिए आसान नहीं होगी। यह सब उथलपुथल ऐसे समय हुई है, जब लोकसभा चुनाव सिर पर आ चुके हैं। इसलिए नए मुख्यमंत्री को संभलने का मौका नहीं मिलेगा। भ्रष्टाचार के जिन गंभीर आरोपों के बीच हेमंत सोरेन को पद छोड़ना पड़ा है, उनके साये में ही चंपई सोरेन को चुनावी परीक्षा से गुजरना होगा। हालांकि वह एक अनुभवी नेता हैं और झारखंड आंदोलन में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं, लेकिन चौतरफा संकट के इस दौर में पार्टी और सरकार का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उन पर अचानक आई है। इसी साल के अंत तक झारखंड में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। लेकिन फिलहाल लोकसभा चुनाव पर ही सबकी नजर रहेगी। ऐसे में चंपई सोरेन की सबसे बड़ी कसौटी फिलहाल यही होगी कि उनकी अगुआई में पार्टी इस आपदा को राजनीतिक अवसर में किस हद तक तब्दील कर पाती है और 14 में से 12 लोकसभा सीटों पर भाजपा सहयोगी की जीत के पिछले चुनाव नतीजे इस बार कितना बदल पाते हैं। दूसरी तरफ हेमंत सोरेन अभी हिरासत में हैं और जल्द उनकी मुक्ति नजर नहीं आ रही है।दूसरी तरफ दो दिन पहले ही उनके विपक्षी गठबंधन के नेता राहुल गांधी न्याय यात्रा लेकर झारखंड में दाखिल हो चुके हैं, यह यात्रा कुछ आठ दिन राज्य में रहेगी। झारखंड सरकार और गठबंधन के लिय यह एक मौका होगा जब वह राज्य में अपनी जडों को मजबूत करने के लिये जुट सकती है। लेकिन केंद्र में सत्तारूढ भाजपा झारखंड में सोरेन की पार्टी को संभलने का कितना मौका देगी,यह ?सियासी तौर पर दिचलस्प सवाल है।

निशाना

है प्रतिष्ठा दांव पर !

– कृष्णेन्द्र राय

*भाग रहे विधायक ।
छान रहे हैं ख़ाक ।।
छिप छिपाकर रखे गए ।
कट ना जाए नाक ।।
है प्रतिष्ठा दांव पर ।
रहे सब निहार ।।
बनना है इन्हें आगे ।
औरों की पतवार ।।
भेद ना जाए खुल ।
है इसका भी ध्यान ।।
है उतारना क़र्ज़ ।
बन जाना महान ।।
खेल लुकाछिपी का ।
हो शायद अब बंद ।।
महत्वपूर्ण घटनाक्रम ।
हैं घटे कुछ चंद ।।*

आज का इतिहास

- **1890:** महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान का जन्म।
- **1911:** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रेगन का जन्म।
- **1918:** 30 साल से ज्यादा उम्र की महिलाओं को वोटिंग का अधिकार मिला।
- **1931:** भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के पिता मोतीलाल नेहरू का इलाहाबाद में निधन।
- **1952:** एलिजाबेथ द्वितीय ने ग्रेट ब्रिटेन की राजगद्दी संभाली। उन्होंने वर्ष 2002 में ब्रिटिश के राज सिंहासन पर अपने 50 वर्ष पूरे करने का जश्न मनाया था।
- **1958:** म्यूनिख में एक हवाई हादसे में 21 लोग मारे गए। इनमें मानचेस्टर युनाइटिड फुटबाल क्लब के सात खिलाड़ी भी थे।
- **1959:** जस्टिस अन्ना चांडी केरल उच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश नियुक्त हुईं।1971: अपोलो 14 के जरिए चांद पर पहुंचे एलन शेपर्ड ने दो दिन तक चांद पर चहलकदमी के दौरान एक गोल्फ़ क्लब से गोल्फ बॉल को हिट किया और चांद पर गोल्फ़ खेलने वाले पहले व्यक्ति बन गए।
- **1983:** भारतीय क्रिकेटर एस. श्रीसंत का केरल के कोच्चि में जन्म। वे केरल के पहले रणजी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने भारत के लिए टी-20 खेला।
- **1987:** जस्टिस मैरी गॉडरन ऑस्ट्रेलिया की हाईकोर्ट में जज बनने वालीं पहली महिला बनीं।
- **1993:** अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी आर्थर ऐश की एड्स से जुड़े निमोनिया से निधन। वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले अश्वेत खिलाड़ी थे।
- **1994:** पाकिस्तान में सार्वजनिक फांसी पर प्रतिबंध लगा।
- **1999:** कोलकाता में देश का पहला पेसमेकर बैंक खुला।
- **2001:** इसराइल में दक्षिणपंथी लिकुद पार्टी के एरियल शेरॉन ने चुनाव में जीत हासिल की। शेरॉन एक निडर सैनिक और राजनीतिज्ञ माने जाते थे और साल 1982 के लेबनान हमले में उन्होंने रक्षामंत्री के तौर पर अहम भूमिका निभाई थी।
- **2007:** अमेरिका के इमोरी यूनिवर्सिटी में दलाई लामा प्रोफेसर नियुक्त हुए।
- **2017:** वीके शशिकला तमिलनाडु की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं।

घोषित-अघोषित नियमों के बीच युद्ध, प्रेम और राजनीति का खेल

पी. चिदंबरम

कुछ हफ्ते पहले अपने एक लेख में मैंने कानून के शासन (रूल ऑफ लॉ) और कानून द्वारा शासन (रूल बाइ लॉ) में फर्क बताने की कोशिश की थी। कानून के शासन के तहत कानून सर्वोच्च होता है और शासक चाहे जो हो, उसे कानून का पालन करना होता है। जबकि कानून द्वारा शासन में शासक सर्वोच्च होता है और कानून उसका सेवक होता है। जाहिर है कि सेवकों को किसी भी वक्त बदला जा सकता है। उल्लेखनीय है कि जब से बस्तियों और समुदायों के विचार ने जड़ें जमाई हैं, तभी से मनुष्यों ने कुछ नियमों से खुद को बांधा है।

युद्ध के नियम

युद्ध के कुछ नियम होते हैं। दो विश्वयुद्धों के बाद चार जेनेवा कन्वेंशन और उनके प्रोटोकॉल को सभी 196 देशों द्वारा अपनाया और अनुमोदित किया गया था। इनसे मिलकर ही अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी कानून बनते हैं। संक्षेप में कहें, तो इनके चार बुनियादी नियम हैं-

- संघर्ष के दौरान बीमारों, घायलों, चिकित्सा और धर्म का काम करने वालों की रक्षा।
- समुद्र में युद्ध के दौरान घायलों, बीमारों और टूटे हुए जहाजों की देखभाल।
- युद्धबंदियों संग व्यवहार में मानवता का ख्याल।
- कब्जे वाले क्षेत्र के नागरिकों समेत सभी की रक्षा।

हालांकि वियतनाम, इराक और लीबिया के युद्धों में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई थीं। रूस व यूक्रेन और इस्राइल व हमास के बीच चल रहे युद्धों में भी इन नियमों का ध्वस्त होना जारी है। बलात्कार और लूटपाट तो बिल्कुल सामान्य बात हो गई है। रूस की मिसाइलों ने यूक्रेन के अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय इलाकों को भी नहीं बख्शा है। 24 जनवरी, 2024 को यूक्रेन के 65 युद्धबंदियों और चालक दल के नौ लोगों को ले जा रहे एक रूसी विमान पर हमला हुआ, जिससे विमान में सवाल सभी लोग मारे गए। रूस ने इस आतंकवादी कृत्य के लिए यूक्रेन पर इल्जाम लगाया है, जबकि यूक्रेन ने इसका खंडन किया है। इस्राइल-हमास के वर्तमान युद्ध की शुरुआत सात अक्तूबर, 2023 को दक्षिणी इस्राइल पर हमास के अप्रत्याशित हमले से हुई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोग मारे गए और 240 लोगों को बंधक बना लिया गया। लेकिन पिछले चार महीनों में इस्राइल की प्रतिक्रिया बेहद क्रूर रही है। फिलिस्तीनियों को संकरी गाजा पट्टी में धकेल दिया गया है और 25 हजार लोगों के मारे जाने की खबर है। सच तो यह है कि दोनों युद्धों में चारों पक्षों द्वारा युद्ध के हर नियम का उल्लंघन किया गया है। युद्ध के नियमों के उल्लंघन पर व्यक्ति और देश पर संयुक्त राष्ट्र न्यायालयों में मुकदमा चलाने का प्रावधान है। गाजा में नरसंहार कन्वेंशन के उल्लंघन के लिए दक्षिण अफ्रीका ने इस्राइल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मामला दर्ज कराया है। संगम साहित्य में (300 ईसा पूर्व) युद्ध के नियमों पर एक सुंदर कविता है 'गौ, सज्जन ब्राह्मण, महिलाएं, रोगी और जिनके संतान न हो,/वे सुरक्षित स्थानों के लिए प्रस्थान करें,/यहां एक युद्ध होगा,/और मेरा तीर आगे बढ़ेगा,/राजा द्वारा धर्म का मार्ग बताने के बाद,/वह युद्ध में शामिल होगा।' तमिल कवि कंबन (1180 ईस्वी) द्वारा राम और रावण के बीच युद्ध के अंतिम दृश्य के वर्णन से भी मैं आश्चर्यचकित हूं। राम, रावण से कहते हैं ङ्क 'तुम अपने सभी हथियार खो चुके हो और असहाय खड़े हो,/अगर मैं अब तुमसे युद्ध करूं, तो यह धर्म नहीं होगा,/आज लौट जाओ और कल युद्ध के लिए तैयार होकर आओ,/और मैं तुमसे लड़ूंगा।'

प्रेम के नियम: प्रेम के नियमों पर कई किताबें लिखी गई हैं। मेरा मानना है कि इसकी जितनी किताबें हैं, उतने ही इसके नियम और उतने ही प्रेमी भी हैं। 'प्रेम के नियम' ऐसी किताबों का एक लोकप्रिय शीर्षक भी लगता है। 'द सिंपल रूल्स ऑफ लव', '8 रूल्स ऑफ लव' से लेकर 'द फोर्टी रूल्स ऑफ लव' तक प्रेम पर किताबों का पूरा कैटलॉग है। हालांकि मैंने इनमें से कोई भी किताब नहीं पढ़ी है। लेकिन इनका अपना एक पाठक वर्ग जरूर है।

मैं प्रेम के कुछ गहरे नियमों की तलाश में था और मुझे ये मिले

'किसी ऐसे व्यक्ति पर अपना प्रेम बर्बाद न करें, जो इसकी कद्र न करता हो।' – **विलियम शेक्सपियर।**

इसी तरह 'इंसान को हमेशा प्रेम में रहना चाहिए और यही वजह है कि उसे विवाह नहीं करना चाहिए।' – **ऑस्कर वाइल्ड।**

'जब हम प्रेमवश होकर किए गए कार्यों पर कुछ पढ़ना चाहते हैं, तो हमें क्या मिलता है? हत्या की खबरें।' – **जॉर्ज बर्नाड शॉ।**

'प्रेम में ठोकर खाने पर संभलना आसान होता है। लेकिन एक बार प्रेम में पड़ गए, तो फिर से खड़े होना नामुमकिन है।' – **अल्बर्ट आइंस्टीन**

ये टिप्पणियां मजाक में या शायद गंभीरता से लिखी गई हों, लेकिन इनसे प्रेम के कुछ नियम तो समझ जरूर आते हैं।

मेरे पसंदीदा कवि-दार्शनिक ने 500 ईस्वी में अपनी अमर कृति 'तिरुक्कुरल' में प्रेम पर एक संपूर्ण अंश लिखा है, जिसमें 25 अध्याय और 250 दोहे हैं। इनमें कुछ ऐसी बाते हैं, जो प्रेम के सार्वभौमिक नियमों को खोजने में मदद कर सकती हैं, जैसे-प्रेमियों की जब नजर से नजर मिलती है, तो शब्द मायने नहीं रखते। झगड़ो व अपशब्दों से प्रेम कम नहीं होता। ये वैसा है, जैसे तेल से आग बुझाने की कोशिश हो रही हो।

राजनीति के नियम: राजनीति के मामले में तो बेहतर होगा कि 'राजनीति के नियमों' और 'राजनीति पर कानूनों' के बीच फर्क को समझ लिया जाए। जिस तरीके से किसी खेल को खेला जाता है, वह नियम कहलाता है। कानून अलग चीज है। कुछ खेल ऐसे खेले जाते हैं, जो अघोषित नियमों पर आधारित होते हैं, और जिनका उद्देश्य ही घोषित नियमों का उल्लंघन करना होता है। मसलन, राजनीतिक दलों में दल-बदल को हतोत्साहित करने वाले कानून को इस तरह से लागू किया गया है कि जिससे दल-बदल को ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। राजनीति के नियमों के तहत अंपायर भी एक तरफ से खेल सकता है। ऐसे कई मामले हैं, जिनमें सदन के अध्यक्ष ही दल-बदल के खेल में खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, राजनीति का एक नियम यह भी है कि सामान्य बातों को जटिल तरह से समझाया जाना चाहिए। इस नियम को ज्यादा स्पष्ट ढंग से समझने और राजनीति के दूसरे नियमों की जानकारी के लिए नीतीश कुमार के पास जाया जा सकता है।

साभार: लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं,यह उनके विचार हैं।

भ्रष्टता निवारण है सशक्त लोकतंत्र का आधार

ललित गर्ग

झारखंड राज्य में जमीन खरीद में गड़बड़ी, अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के कथित पुराने मामलों की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से झारखंड की सरकार संकट में आ गयी और उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े भारत लोकतंत्र के आदर्श एवं सशक्त होने की बड़ी अपेक्षा है। आजादी के अमृत काल में राजनीति का शुद्धिकरण एवं अपराध मुक्ति ही भारत को सशक्त एवं विकसित राष्ट्र बना सकेगा। हेमंत सोरेन के बाद अब अगला नम्बर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का है। स्पष्ट है कि अब भ्रष्टाचारियों की नैया पार होने वाली नहीं है। अगर ये लोग सोचते हैं कि ताकतवर होने के कारण कानून उन तक नहीं पहुंच सकता, तो ये मुगालते में हैं। अगर उन्होंने भ्रष्टाचार किया है, तो उन्हें अपने किए की सजा मिलेगी ही। भ्रष्ट आचरण से करोड़ों-अरबों की संपत्ति लूटने वाले नेतागण शायद नहीं जानते कि केंद्र में ऐसी मजबूत सरकार है, जो भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करती। इसीलिए तो जांच एजेंसियों को पूरी छूट मिली हुई है कि वे भ्रष्ट आचरण करने वालों को पकड़ें। दबाव मुक्त केन्द्रीय एजेंसियां अपने काम में जुटी भी हुई हैं, उनकी टांग खिंचने की बजाय उनका हौसला बढ़ाना चाहिए।

इनदिनों गैरभाजपा प्रांतों में भ्रष्टाचार के मामले बड़ी संख्या में उजागर हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक दल आम आदमी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सतेन्द्र जैन, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एवं पश्चिम बंगाल में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी जेल की सलाखों के पीछे हैं, इनकी गिरफ्तारी बता रही है कि ममता बनर्जी एवं अरविन्द केजरीवाल भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कितने ही दावे क्यों न करें, लेकिन उनके वरिष्ठ मंत्री भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक मजबूरियां जी रहे हैं। राजनीति की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। राजनीतिक दल अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है।

भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं जाति-सम्प्रदाय के हिंसक आग्रहों पर इंडिया गठबंधन में कोई बहस नहीं है, कोई आदर्श राष्ट्र निर्माण की दृष्टि एवं दिशा नहीं है। राजनीति में लगे लोगों में जब इन मसलों की गहराई तक जाने का धैर्य और गंभीरता चुक जाए, तो उनके मंच के संवाद पहले निम्न दर्जे तक गिरते हैं और फिर कीचड़ को ही संवाद का विकल्प मान लिया जाता है। इन दिनों यही हो रहा है। भ्रष्टाचार के लिए मोदी सरकार जो कार्रवाइयाँ कर रही हैं, वह सराहनीय है। भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुके ऐसे नेताओं की कमी नहीं है, जो यह मानते हैं कि सरकार उनकी है और वे कुछ भी कर सकते हैं। इस तरह की भ्रामक सोच भारतीय राजनीति का पतन कर रही है। इसकी शुचिता और पारदर्शिता को धूमिल कर रही है। पहले राजनीति का अर्थ लोगों की सेवा करना होता था, लेकिन बाद में यह अपने लोगों की सेवा का माध्यम समझी जाने लगी। बिहार, बंगाल, दिल्ली और झारखंड जैसे राज्य तो इसमें सबसे ऊपर दिखते हैं। झारखंड में ही अभी जो घटनाक्रम हुआ है, क्या उससे यह धारणा नहीं बनती कि हेमंत सोरेन ने जरूर कुछ ऐसे कार्य किए हैं कि पहले उन्हें ईडी से भागना पड़ा और जब उन पर दबिश बढ़ी, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर ईडी अधिकारियों के हाथों गिरफ्तार होना पड़ा।

बिहार का हाल भी झारखण्ड से अलग नहीं है। वहां पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव का भ्रष्टाचार लगातार खबरों में रहा है, वे भी सजा भुगत चुके हैं। उनके पुत्र तेजस्वी यादव व अन्य परिजन पर भी जमीन घोटाले के आरोप हैं। कहा जाता है कि जब ईडी ने तेजस्वी यादव से सवाल पूछे, तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने घोटाले के वक्त खुद के नाबालिग होने की बात कही। जब ईडी अधिकारियों ने पूछा कि करोड़ों की कंपनी कैसे बनाई, तो उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी न होने की बात कही। जबकि लालू यादव के पास इतनी संपत्ति कैसे जमा हुई, यह कोई छिपा रहस्य नहीं है। इसलिए यह कयास भी गलत नहीं है कि देर-सबेर तेजस्वी यादव भी अपने पिता की तरह जेल में दिख सकते हैं। कुछ इसी तरह की कहानी देश के अन्य राज्यों में भी है, जहां मुख्यमंत्री और बड़े नेता ईडी के निशाने पर हैं, इसलिए मुमकिन है कि आने वाले दिनों में हम और भी कई नेताओं को कालकोठरी में देख सकते हैं।

बात केवल आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय जनता दल, की ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसकी खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भ्ज्ञी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह आजादी के अमृत महोत्सव मनाने की सार्थक पहल है, जिसके माध्यम से वे भारत के विलक्षण और ऐतिहासिक प्रधानमंत्री माने जाएंगे। राजनीतिज्ञों की साख गिरेगी, तो राजनीति की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। हमारे पास राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टचार के बाद तीसरा नंबर इस कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही राजनीति के औजार नहीं है, इसलिए राजनीति को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ लड़ाई के लिए काफी वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, लेकिन कीचड़ उछाल से परहेज करके और सार्थक बहस चलाकर देश की राजनीति का सुधार आंदोलन शुरू किया जा सकता है। राजनैतिक कर्म में अपना जीवन लगाने वालों से इतनी उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाली कार्रवाइयों को राजनीतिक रंग न दे। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं स्वच्छ राजनीति से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

साभार: लेखक के अपने विचार हैं..

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को पार्टी ने किया दरकिनार

मतदाताओं के दिमाग में उठ रहे विचार, क्यों नहीं मिला नर्मदापुरम को मंत्रिमंडल में स्थान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

समय के साथ-साथ राजनीतिक मूल्य में भी परिवर्तन दिखाई देने लगा है. वह समय और था जब एक अनुभवी और वर्षों से जनता की सेवा करते आ रहे विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता था लेकिन अब वह बात नहीं रही. सिद्धांतों का दम भरने वाली भारतीय जनता पार्टी भी अपने सिद्धांतों से काफी दूर निकलती जा रही है. शायद यही वजह है कि नर्मदापुरम जिले को प्रदेश के मंत्रिमंडल में कई वर्षों से प्रतिनिधित्व नहीं मिला है. जबकि जो पहली बार विधायक बने हैं उन्हें भाजपा ने किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया है तो किसी प्रदेश में मंत्री बना दिया है।

नर्मदापुरम जिले से किसी विधायक को मंत्री न बनाए जाने से मतदाताओं का मनोबल गिरा है. संभावित है इसका खामियाना लोकसभा चुनाव में भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। नर्मदा पुरम के अजय विधायक डॉक्टर सीता शरण शर्मा एक ऐसे विधायक हैं जो कभी चुनाव नहीं हारे. जब

लोकसभा चुनाव में नर्मदापुरम से क्या भाजपा की राह होगी आसान..?

होशंगाबाद विधानसभा का परिसीमन नहीं हुआ था और इटारसी विधानसभा अपने स्वतंत्र अस्तित्व में थी. उस समय डॉक्टर शर्मा वहां से कई बार विधायक रहे. और वर्तमान में तीसरी बार होशंगाबाद- इटारसी संयुक्त विधानसभा के विधायक चुने गए. पूर्व में डॉक्टर शर्मा विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें एक बार भी प्रदेश के मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया बल्कि एक बार उन्हें विधानसभा अध्यक्ष बनाने के बाद दोबारा विधानसभा अध्यक्ष बनाना भी उचित नहीं समझा।डा.सीता शरण शर्मा से भी कई जूनियर विधायक है जो कई बार मंत्रिमंडल में स्थान पा चुके हैं. भाजपा नेतृत्व को नर्मदा पुरम जिले से ऐसी क्या दुश्मनी है जिसके चलते किसी भी विधायक को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया गया. यदि यही हाल रहा तो आगामी लोकसभा चुनाव में नर्मदापुरम संसदीय सीट से भाजपा को हाथ धोना पड़ सकता है। इस बार के विधानसभा चुनाव में सिवनी मालवा से विधायक चुने गए प्रेम शंकर वर्मा ने जिले में सर्वाधिक मतों से जीत हासिल की. श्री वर्मा पहले भी एक बार विधायक रह चुके हैं. और उम्र को देखते हुए संभवत-है यह उनका अंतिम चुनाव है।

एक उम्र दराज विधायक को भी भाजपा ने प्रदेश के मंत्रिमंडल में शामिल करना उचित नहीं समझा

अनुसूचित जाति के उत्थान को लेकर बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने पिपरिया से चौथी बार विधायक चुने गए ठाकुरदास नागवंशी को भी अपने मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया. जबकि वह पूर्व चुनाव में रिकार्ड मतों से जीत हासिल कर चुके हैं।

भाजपा को लोकसभा चुनाव में होगी दिक्कतें!

जिले के युवा वर्ग के चहेते कहे जाने वाले विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र से चौथी बार विधायक बने हैं, सीहोर जिले की बुधनी तहसील के निवासी ठाकुर विजय पाल सिंह होशंगाबाद की राजनीति में हमेशा सक्रिय रहे हैं और वह नगर पालिका में पार्षद की सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। होशंगाबाद से 50 किलोमीटर दूर सोहागपुर में भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करना और वहां से चौथी बार विधायक बना विजयपाल की काबिलियत ही है। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने उनको भी मंत्रिमंडल में शामिल करना उचित नहीं समझा। सबका साथ सबका विकास का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी का यह नारा तभी सार्थक होता है जब वह सभी जिले को बराबर प्रदेश सरकार में प्रतिनिधित्व मौका देती।

नागरिकों की मांग- जिला प्रबंधक नान के पद पर वरिष्ठ अधिकारी को किया जाए पदस्थ

एक लिपिक के हवाले नर्मदापुरम सिविल सप्लाई कॉरपोरेशन विभाग की बागडोर

गृह जिले के निवासी एक कर्मचारी नेता को सौंपा नर्मदापुरम जिले का प्रभार
नागरिक आपूर्ति निगम में गेहूं उपार्जन के दौरान दिखाई देती हैं कई खामियां

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश का सर्वाधिक गेहूं उत्पादन करने वाला यह जिला हमेशा से ही कई विभागों के अधिकारियों के लिए कमाई का जरिया साबित हुआ है. और यही वजह है कि नागरिक आपूर्ति निगम जैसे संस्थानों के अधिकारी जिला प्रबंधक के पद पर यहां पदस्थ होने के लिए लालायित रहते हैं. मार्च के महीने से प्रारंभ होने वाला गेहूं उपार्जन कार्य के दौरान तो यहां पर पदस्थ होने के लिए अधिकारी भोपाल स्तर से अपनी सेटिंग जमाने में ऐडी से चोटी तक का जोर लगा देते हैं। जोर उसी का कामयाब होता है जो वरिष्ठ स्तर पर अपनी आकाओं को खुश करने में सफल हो होते हैं ।

वर्ष 2024 गेहूं उपार्जन का समय नजदीक है. लेकिन अभी तक यहां जिला प्रबंधक का पद खाली है. काम चलाने के लिए यहां एक लिपिक स्तर के कर्मचारियों को जिला प्रबंधक का प्रभार दे रखा है. यह लिपिक स्तर का कर्मचारी है और बरसों से निगम के कर्मचारियों का नेता बताया जाता है।

नागरिक आपूर्ति निगम कर्मचारियों के संगठन से जुड़े इस नेता को उपार्जन के महत्वपूर्ण जिले का जिला प्रबंधक बनाने के पीछे निगम के जिन अधिकारियों का स्वार्थ है वह स्वार्थ गेहूं उत्पार्जन के दौरान खुलकर सामने आ जाएगा।

बताया जाता है कि जिस व्यक्ति को जिला प्रबंधक का प्रभार सौंपा गया है वह नर्मदापुरम जिले का ही निवासी है. गृह जिला निवासी को जिला स्तर का पद सौंपना नियमों की संगति में नहीं होना बताया जाता है. फिर भी निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्या सोचकर एक लिपिक को इतना महत्वपूर्ण पद का प्रभार दे रखा है.

गेहूं उपार्जन के दौरान उपार्जन केंद्रों से जो माल गोदाम में जमा होने के लिए जाता है उसमें से अधिकांश माल अमानक स्तर का भी पाया जाता है.अमानक गेहूं जमा करने के लिए केंद्र प्रभारी से लेकर जिला प्रबंधक तक साठ-गांठ का खेल चलता है. यह घटिया किस्म का गेहूं सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बांट दिया जाता है।

अब रही सही कसर एक कर्मचारी नेता को जिला प्रबंधक बनाकर निगम ने पूरी कर दी है। सूत्रों से पता चला है कि यह कर्मचारी नेता पहले एक गोदाम का केंद्र प्रभारी रहा है परंतु जिला प्रबंधक शिवा के स्थानांतरण होने से निगम द्वारा इस कर्मचारी नेता को जो एक लिपिक स्तर का कर्मचारी है इसे नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक का काम सौंप दिया है. इनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार कितना होगा यह तो पता नहीं है लेकिन इस बार यदि गेहूं उपार्जन के दौरान इस कर्मचारी नेता को पदस्थ रखा तो निश्चित ही काफी हद तक खरीदी प्रभावित होगी और अमानक स्तर का गेहूं भी खरीदा जा सकता है।

आउटसोर्स कर्मचारी के हवाले ऑफिस की व्यवस्था

नर्मदापुरम जिले के नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय का यह आलम है कि यहां केडर कर्मचारियों की कमी है. कई महत्वपूर्ण पदों पर यहां एमपी कोन आउटसोर्स कर्मचारी की नियुक्ति कर रखी है. इन कर्मचारियों के माध्यम से भी कार्यालय में भ्रष्टाचार की गतिविधियां निरंतर बढ़ रही है. परिवहन संबंधी बिलों की देखरेख करना, बिलों को भुगतान करने में कराने में भूमिकाओं का निर्वहन करना इन आउट सोर्सेस कर्मचारियों की महत्वपूर्ण कार्य प्रणाली है.सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं का भी बहुत कुछ दारो-मदार इन आउटसोर्स कर्मचारी पर है.नागरिक आपूर्ति निगम के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि हमारे पास कर्मचारियों की कमी है इसलिए हमको मजबूरी में आउटसोर्सों से काम चलाना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने पचमढ़ी तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया

पचमढ़ी अंतर्गत समस्त भूमियों का रिकॉर्ड अपडेट रखने के दिए निर्देश

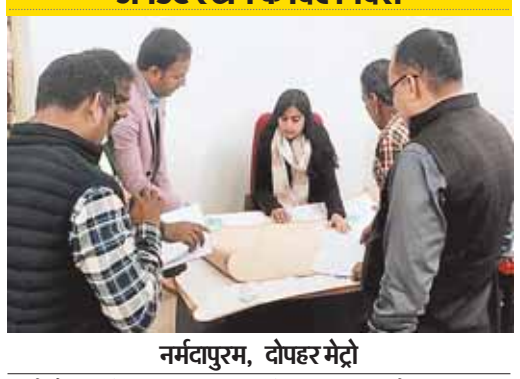

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के तहसील कार्यालय पचमढ़ी का शनिवार को नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां कार्यालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लेकर पचमढ़ी अंतर्गत भूमि संबंधी रिकॉर्ड्स की जानकारी ली। उन्होंने प्रमुख रूप से नजूल अंतर्गत भूमि, केंट भूमि, साडा भूमि , लीज भूमि इत्यादि भूमि संबंधी रिकॉर्ड्स का बारीकी से निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने पचमढ़ी अंतर्गत समस्त भूमि संबंधी रिकॉर्ड को अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पचमढ़ी में अतिक्रमण हटाने और पुनर्वास के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाए।

इसके बाद कलेक्टर ने एयर स्ट्रिप पचमढ़ी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एयरस्ट्रिप निर्माण के संबंध में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली और शासन के दिशा निर्देशानुसार आवश्यक करवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने रविशंकर भवन के नवीनीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया और कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश पीआईयू के अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम पिपरिया संतोष कुमार तिवारी, तहसीलदार वैभव बैरागी, सीईओ साडा रवि प्रकाश नायक , सहायक यंत्री लोक निर्माण विभाग कैलाश गुर्धे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

कलेक्टर एवं प्रशासक की अध्यक्षता में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की बैठक सम्पन्न

रायसेन, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित रायसेन के प्रशासक श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सहकारी केन्द्रीय बैंक की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने सहकारी समितियों (कॉपरेटिव सोसायटियों) द्वारा किसानों को वितरित किए गए ऋण तथा उसकी वसूली के संबंध में विस्तार से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी एसडीएम को भी सहकारी बैंक के ऋण वसूली कार्य की मॉनीटरिंग करने तथा आवश्यक सहयोग के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने सहकारी समितिवार ऋण वितरण और वसूली की जानकारी लेते हुए ऋण वसूली के कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। ऋणी किसानों को ऋण राशि जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को सहकारी समितियों के माध्यम से कृषि कार्य हेतु ऋण राशि, खाद-बीज उपलब्ध होता है। ऋणी किसानों को समझाएं कि सहकारी बैंक सीधे किसानों से जुड़ा है और सदैव किसानों के हित में कार्य करता है। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के महाप्रबंधक सहित सोसायटी प्रमुख और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्यामपुर में कुष्ठ उन्मूलन के तहत विकृति बचाव शिविर

सीहोर, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत के श्यामपुर में विकृति बचाव शिविर आयोजित किया गया । इस अवसर पर जिला कुष्ठ अधिकारी श्रीमती क्षमा बर्वे ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया के दिशा निर्देशन में कुष्ठ उन्मूलन पखवाड़े का सफल संचालन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर में 10 संभावित कुष्ठ रोगियों की जांच फिजियोथेरेपिस्ट आरएसओड, एनएमएएसएलसेन द्वारा की गई एवं उपचाररत, उपचार मुक्त, डिफारमिटी, शून्यपन, ग्रेड-1, एवं ग्रेड-2, के मरीज उपस्थित हुए। हाथ-पैरों के बचाव हेतु जानकारी प्रदान की गई। बैठक में रोगियों का पंजीयन एनएमएएचएन माहेश्वरी श्यामपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन मेहर सहित संबंधित अधिकारी,कर्मचारियों उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर बाड़ी जनपद अध्यक्ष , जिपं सीईओ ने योजनाओं के विकास कार्यो की समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ ने दो ग्राम रोजगार सहायकों को एससीएन, तीन पंचायत सचिवों के निलंबन आदेश जारी

रायसेन, दोपहर मेट्रो

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं का जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सफल क्रियान्वयन हो, विकास और निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयावधि में पूर्ण हों, इसके लिए जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा पंचायतों का भ्रमण कर निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही जनपद स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शनिवार को बाड़ी जनपद पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में जनपद अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल, उपाध्यक्ष अंकित ठाकुर तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें बाड़ी विकासखण्ड अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे। बैठक में ग्राम स्तर पर संचालित शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना की ग्राम पंचायतवार समीक्षा की गई। इस दौरान जिन ग्राम पंचायतों की प्रगति कम पाई गई, उन ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं

सचिव को कार्य में गति लाने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा के दौरान अत्यंत कम प्रगति वाली ग्राम पंचायत गडरवास के ग्राम रोजगार सहायक श्री राकेश कुमार ठाकुर तथा ग्राम पंचायत खण्डराज के ग्राम रोजगार सहायक श्री बलवंत सिंह धाकड़ को जिला पंचायत सीईओ द्वारा बैठक में ही कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए। इनके अतिरिक्त योजनाओं के क्रियान्वयन तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में लगातार लापरवाही बरतने वाले ग्राम पंचायत मालझिर के पंचायत सचिव श्री भगवन सिंह चौहान, ग्राम पंचायत भोंडिया की पंचायत सचिव श्रीमती अर्चना धाकड़, ग्राम पंचायत मोकलवाडा के पंचायत सचिव श्री सुरेश कुमार ठाकुर के निलंबन संबंधी आदेश जारी किए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ ने सभी उपयंत्री, सहायक यंत्री, विकासखण्ड समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास, एनआरएलएम को लक्ष्य अनुसार प्रतिपूर्ति किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि भविष्य में लक्ष्य अनुसार प्रगति में सुधार नहीं आने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही अच्छा कार्य करने पर पुस्कृत किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ ने मध्यान्ह भोजन को चखकर जानी गुणवत्ता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया द्वारा गत दिवस गैरतगंज जनपद के ग्राम हरदौट में शासकीय माध्यमिक शाला का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन को चखकर गुणवत्ता जानी। साथ ही छात्र-छात्राओं से भी मीनू अनुसार नियमित मध्यान्ह भोजन वितरित होने की जानकारी ली। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन समय पर वितरित हो, यह सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बच्चों को वितरित किए जा रहे मध्यान्ह भोजन का सैम्पल भी रखा जाए।

बासौदा रोड के रहवासियों को गड्दों से मिली मुक्ति एसडीएम ने कराया डामर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

दोपहर मेट्रो **खबर का असर**

खस्ताहाल सड़क की खबर को पिछले महीने हमारे संवाददाता ने प्रमुखता से प्रकाशित करके एसडीएम के संज्ञान में लाने का काम किया था इसके बाद एसडीएम ने तत्काल जनहित में बासौदा नाके से लेकर नहर की पुलिया तक की खस्ता हाल सड़क पर कोपर डलवा कर गढ़ों की मरम्मत कराई थी, अब इस रास्ते पर डामर डलवाने का काम भी निशुल्क में एसडीएम हर्षल चौधरी के कहने पर सड़क ठेकेदार के द्वारा निशुल्क में सेवा भाव के रूप में डामरीकरण का कार्य बचे हुए रास्ते पर किया है। जिस समय एमपी आरडीसी विभाग और पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा ध्यान नहीं दिया और ठेकेदार ने इतनी जगह छोड़ दी थी इस वजह से यहां पर आने जाने में सबसे ज्यादा परेशानी इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों और बड़े शहरों और ग्रामीण क्षेत्र में आए जाने वाले वाहन चालकों को झेलनी पड़ रही थी। बरसात के दिनों में तो यहां पर और भी ज्यादा हालत खराब हो रही थी हमारे संवाददाता द्वारा जैसे ही इस खबर को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन के संज्ञान में लाने का काम किया तो एसडीएम ने भी आमजन के हित में इस काम को प्राथमिकता से करवाने के लिए लगातार प्रयास किए विभागीय रूप से सड़क बनवाने के लिए अधिकारियों से बात करी तो कई तरह की कठिनाइयां बताई गई, फिर एसडीएम ने नगर पालिका से कोपर डलवाया अव इस मार्ग पर डामरीकरण करवा दिया गया है।

बादल छाने से ठंड हुई गायब, फसलों में बढ़ा इल्ली का प्रकोप

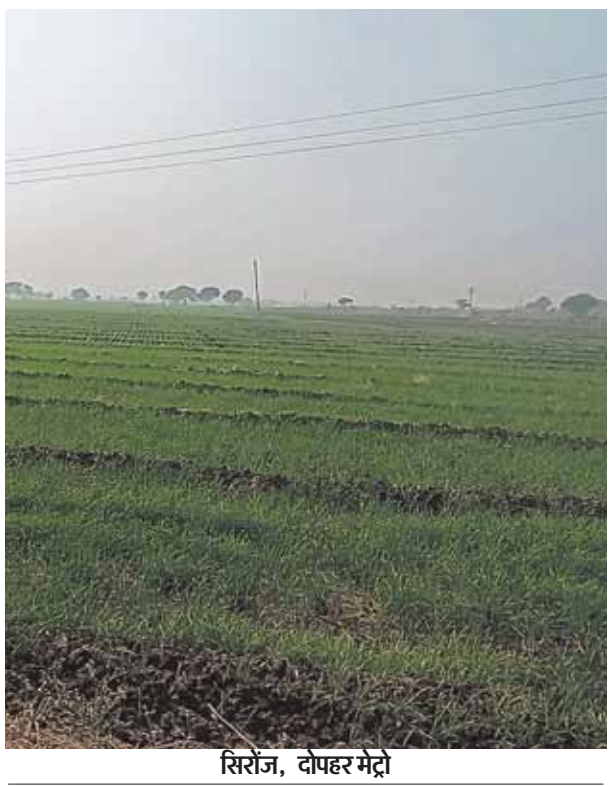

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

बिगत दो दिनों से मौसम में हुए बदलाव के बाद आसमान में बादलों की लुका छुपी बढ़ने से तापमान में वृद्धि देखने को मिल रही है। इस वजह से दिन में ठंड गायब हो गई है शाम को और सुबह ही हल्की ठंड लग रही है दूसरी ओर बादल छाए रहने से फसलों में रोग भी लगने लगे इसमें सबसे ज्यादा प्रकोप इल्ली का देखने को मिल रहा है। जहां सरसों में महू का असर आ रहा है तो चना, मंसूर आदि फसलों में इल्ली से फसलों को बचाने के लिए किसानों के द्वारा कीटनाशक दावों का छिड़काव भी करना पड़ रहा है। मौसम हो रहे लगातार बदलाव होने के कारण सर्दी जुकाम की बीमारी से भी लोग पीड़ित हो रहे हैं।

दीनदयाल पार्क से फिर मोटरसाइकिल गायब, लगातार बढ़ रही दो पहिया वाहनों की चारियां

वाहन चोरों को पुलिस का नहीं है डर, पुलिस का खुफिया तंत्र हो रहा फेल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पुलिस की कार्यप्रणाली स्थिति होने के कारण बदमाशों से लेकर वाहन चोरों के हौसले बुलंद होते हुए दिखाई दे रहे हैं तभी तो दिनदहाड़े ही सार्वजनिक स्थानों से वाहनों को चोरी करने की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है चोरी की घटनाएं भी हो रही है। रविवार को लटेरी रोड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क के बाहर रखी मोटरसाइकिल चोरी हो गई ।इससे पहले तहसील कार्यालय ,बैंकों बस स्टैंड मेल, पुलिस कॉलोनी से लेकर विभिन्न मोहल्ला और कॉलोनी से लगातार वाहन चोरी होने की शिकायतें सामने आ रही है। एक बात जरूर है जब भी वाहन चोरी की घटना घटित होती है उस समय पीड़ित अपनी फरियाद लेकर पुलिस के पास पहुंचता है तो उस समय पुलिस तत्काल कार्रवाई नहीं करती इस वजह से वाहन चोर पुलिस की गिफ्ट से दूर होते हुए जा रहे हैं।

वाहन चोरों को पकड़ने के लिए तत्काल पुलिस को धरातल पर काम करना होगा तभी बहन चोर पुलिस की गिफ्ट में आएंगे इस हिसाब से पुलिस अभी काम कर रही है, उसको देखते हुए से लग रहा है कि पुलिस को वाहन चोरों को पकड़ने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं है तभी तो प्रकरण भी दर्ज कई दिनों तक दर्ज नहीं किया जाता केवल आवेदन लेकर खाना पूर्ति जरूर कर ली जाती है और ना हीं तत्काल जिन क्षेत्रों से वाहन चोरी होते हैं उनके आसपास लगे सीसीटीवी केमरो में वाहन चोरों को देखने के लिए पुलिस जाती ही नहीं है । पुराने हिस्ट्री सीस्टर बदमाशों से भी पुलिस पूछताछ नहीं कर रही है पुराने वाहन चोरों को भी बुलाकर पूछताछ नहीं कर रही गुंडे बदमाशों को भी उठाने का काम नहीं किया जा रहा है। इस वजह से इनके हौसले दिन ब दिन बुलंद होते जा रहे हैं। अब दिनदहाड़े ही वाहन चोरी की घटनाओं घटित हो रही है वाहन चोर चोरी को अंजाम देकर रफू चक्कर हो जाते हैं और पुलिस हाथ मलते रह जाती है। पुलिस ने जिस तरह की कार्रवाई खुद के वाहन के चोरी होने पर की थी उस तरह की कार्रवाई इन वाहनों के गायब होने के बाद नहीं की जा रही है ।इस बजह से वाहन चोर पुलिस से डरते और इस तरह की घटनाएं भी घटित हो रही है।

पुलिस का खुफिया तंत्र नहीं कर रहा है काम

पिछले कुछ महीनो से तो पुलिस का संपर्क व्यापारियों से लेकर आम जनता से कायम नहीं किया जा रहा है। जब तक सभी वर्गों से पुलिस का संपर्क नहीं रहेगा तब तक खुफिया तंत्र भी पूरी तरह से पुलिस के लिए काम नहीं करेगा कुछ समय से पुलिस का खुफिया तंत्र भी पूरी तरह से विफल होता हुआ दिखाई दे रहा है या फिर जानबूझकर थाना प्रभारी के द्वारा अपने खुफिया तंत्र को मजबूत करने के लिए सीधा संपर्क नहीं किया जा रहा है असुरक्षा का वातावरण जरूर शहर में देखने को मिल रहा है व्यापारियों से लेकर आम जनता के द्वारा अपनी सुरक्षा को लेकर स्वयं इंतजाम करने पड़ रहा है रात की गस्त भी भगवान भरोसे ही रहती है।

इनका कहना है

वाहन चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए थाना प्रभारी को टीम बनाकर पुराने बदमाशों और वाहन चोरों को थाने बुलाकर पूछताछ करने के लिए निर्देश पहले ही दे दिए, अलग से एक टीम बनाकर चोरों को पकड़ने के लिए टीम को लगता हूं।

उमेश कुमार त्रिपाठी एसडीओपी

रविवार को हुई मोटरसाइकिल चोरी

देवेंद्र अहिरवार की गाड़ी गयाब हो गई है उन्होंने बताया कि रविवार को लटेरी रोड स्थित पंडित दीनदयाल पार्क में घूमने के लिए गया था मोटरसाइकिल बाहर खड़ी कर दी थी जब मैं मैंने वापस आकर देखा तो लौटे तो गाड़ी वहां नहीं थी आसपास देखी पर कहीं नहीं मिली इसके बाद मेने थाने पहुंचकर मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत की जहां पर पुलिस ने आवेदन लेकर उनको चला कर दिया है प्रकरण इसमें भी दर्ज नहीं किया । इस मामले में पुलिस यदि तत्काल वाहन चोरों को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंचकर खोजबीन करती तो शायद पुलिस को कुछ सुराग मिल सकते थे पर ऐसा करना पुलिस कर्मियों ने उचित नहीं समझा।

चोरों के हौंसले हैं बुलंद

शहरी क्षेत्र में कई दिनों से लगातार चोरी की घटनाएं घटित हो रही है पर पुलिस के हाथ कोई सुराग लगता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है आखिर चोरों के हौसले इतने बुलंद क्यों है पुलिस इनके आगे बेहोश क्यों नजर आ रही है इसके पीछे क्या कारण है इस पर भी पुलिसकर्मियों को ध्यान देकर गंभीरता से अपने काम को अंजाम देना होगा या फिर पुलिस कर्मी इस काम को गंभीरता से नहीं लेते हैं क्योंकि इसमें फायदा ज्यादा नहीं होता है तभी तो वाहन चोर दिन दहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम देकर गायब हो जाते हैं। लगातार चोर पुलिस को चकमा देकर दिनदहाड़े शहर से बाहर चोरी करके चले जाते हैं पुलिस के हाथ कुछ लगता ही हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। गुंडे बदमाशों और चोरों में पुलिस डर नहीं बचा है तभी तो जब मर्जी होती तब और जहां से इच्छा होती है वहां से चोर वारदात को अंजाम देकर चोर चले जाते हैं।

एचआईवी संक्रमण के बचाव हेतु युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित

विदिशा, दोपहर मेट्रो

नेहरू युवा केंद्र एवं मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तत्वाधान एवं मप्र जन अभियान परिषद के सहयोग से 10 फरवरी तक चलाए जा रहे एड्स और एचआईवी रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत आज शासकीय संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय में युवा संवाद व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि वक्ताओं द्वारा युवाओं को एड्स व एचआईवी के संक्रमण की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उनकी जिज्ञासाओं को लेकर प्रश्नोत्तरी करते हुए इससे बचने के उपाय के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य विभाग के मीडिया ऑफिसर डॉ बीएस दांगी, आईसीटीसी काउंसलर श्रीमति सीमा रघुवंशी , जिला समन्यवक यूनिसेफ श्री अमित शर्मा, जन अभियान परिषद की ब्लाक समन्वयक श्रीमति ममता राठौर, वरिष्ठ पत्रकार श्री यशपाल यादव सहित बड़ी संख्या में युवाजन व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भागवत कथा में श्री कृष्ण का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

ग्राम झंडवा में चल रही श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा कथा में चौथे दिन कथा का रसपान कराते हुए आचार्य पंडित नलिनीकांत शर्मा ने भगवान श्री कृष्ण की जन्म उत्सव की कथा का रसपान कराते हुए विस्तार से कथा के महत्व से श्रोताओं का अगवत कराया वहीं कथा में श्री कृष्ण का जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया जैसे ही श्री कृष्णा बाल रूप में कथा के पंडाल में पहुंचे तो सभी के मुख से जय कन्हैया लाल की जयकारों से पूरा कथा परिसर गूंज उठा मनमोहक दृश्य को देखने के लिए सभी एक झलक पाने के लिए उत्सुक दिख रहे थे । भगवान श्री कृष्ण ने धर्म की रक्षा करने के लिए धरती पर अवतार लिया था और पपिया का नाश किया था कृष्ण कंस के आतंक से भी गोकुल वासियों को मुक्ति दिलाई थी पंडित आचार्य जी ने कहा कि हम सबको अपने मान के अंदर के कंस को मिटाना होगा और मानव कल्याण एवं धर्म के रास्ते पर चलकर काम करना होगा सत्य परेशान हो सकता है परास्त नहीं हो सकता है ,हमेशा सत्य की ही जीत होती है इसलिए हमें सत्य के रास्ते पर चलना चाहिए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद थे।

मेट्रो एंकर राजस्व महाअभियान में रायसेन जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर

किसान हमारे भगवान हैं, इनकी सेवा करना ईश्वर भक्ति के बराबर है: राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा

रायसेन, दोपहर मेट्रो

किसान हमारे अन्नदाता हैं, भगवान हैं। हमारी किसानों, आमजन के प्रति जबावदेही है। इनकी सेवा करना ईश्वर की भक्ति के बराबर है। इन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना ना पड़े। इसी उद्देश्य से प्रदेश में राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। सभी राजस्व अधिकारी सकारात्मक सोच एवं सेवाभाव के साथ राजस्व संबंधी प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करें, जिससे आमजन की विभाग के प्रति, आपके प्रति विश्वास और सम्मान बढ़े। यह विचार राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व महाअभियान की समीक्षा बैठक में व्यक्त किए। बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन तथा राकेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने बैठक में तहसीलवार अविवादित और विवादित नामांतरण, बंटवारा, पारिवारिक बंटवारा, सीमांकन, हकत्याग आदि के लंबित प्रकरणों तथा इनके निराकरण हेतु अपनाई जा रही

प्रक्रिया की तहसीलदारों, एसडीएम से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसानों, आमजनों को राजस्व संबंधी विभिन्न प्रकरणों के निराकरण संबंधी नियमों, प्रक्रियाओं की भी जानकारी से अवगत कराएं। इसी प्रकार सीमांकन प्रकरणों का निराकरण सभी पक्षों की उपस्थिति में किया जाए, जिससे कि आगे विवाद की स्थिति निर्मित ना हो। बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों का सतत् भ्रमण करें। जनप्रतिनिधियों के दौरे के समय भी राजस्व अधिकारी मौजूद रहें। उन्होंने कहा कि किसानों, आमजन के साथ सद्व्यवहार करें। कहीं से भी अभद्र व्यवहार की शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने की कलेक्टर सहित राजस्व अमले की सराहना

बैठक में राजस्व मंत्री द्वारा जिले में राजस्व महाअभियान के क्रियान्वयन तथा कार्यप्रगति की विस्तृत जानकारी लेते हुए समीक्षा की गई। राजस्व मंत्री को कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने अवगत कराया कि 15 जनवरी से 29 फरवरी तक चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान में रायसेन जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। इस पर राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कलेक्टर श्री दुबे की सराहना करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में राजस्व अमले द्वारा बेहतर काम किया जा रहा है। उन्होंने राजस्व अधिकारियों तथा मैदानी अमले की भी सराहना करते हुए कहा कि सभी पूरी लगन, निष्ठा के साथ राजस्व विभाग की योजनाओं, सेवाओं को किसानों और आमजन के पास सुगमता से पहुंचाने के लिए कार्य करें।

कार्यालय संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें, राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल
आर.ए.के. केम्पस, पुरानी जल रोड, जहांगीराबाद भोपाल (म.प्र.)

दूरभाष - 0755-2767141 E-mail- jdvssvhb@rediffmail.com

क्र. 757/ स्था./ 2023-24 भोपाल दिनांक 09/01/24

:: निविदा सूचना ::

संचालनालय पशुपालक म.प्र. भोपाल के द्वारा कार्यालय संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं राज्य पशु चिकित्सालय जेल रोड, जहांगीराबाद भोपाल की आगामी वर्ष 2024-25 के लिए सुरक्षा व्यवस्था हेतु एक वर्ष हेतु ई-निविदा e-procuerment प्रणाली Portal http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाना है।

निविदा क्रमांक	निविदा विवरण	निविदा राशि	ऑनलाईन निविदा क्रय करने का दिनांक	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि एवं समय
JDVSSVH 03/2024	राज्य पशु चिकित्सालय की सुरक्षा व्यवस्था हेतु अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने के संबंध में	1200+ (प्रोसेसिंग फीस)	05.02.2024	रू. 50000/- की धरोहर राशि ऑनलाइन mptenders.gov.in पर जमा की जानी है।	दिनाँक 26.02.2024 शाम 05.30 बजे तक

महत्वपूर्ण सूचनायें :-
1. निविदा प्रपत्र उपण वर्णित बेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. निविदा का अनुमानित मूल्य रूपये 12.50 लाख वार्षिक है।
3. निविदा संबंधी जानकारी बेबसाईट पर अथवा कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।
4. निविदा में कोई भी संसोधन होने की स्थिति में उक्त संसोधन http://mptenders.gov.in तथा http://mpdah.gov.in पर उपलोड किए जायेंगे।

संयुक्त संचालक
पशु चिकित्सा सेवायें,
राज्य पशु चिकित्सालय, भोपाल

G-23680/23

भारत ने 60 साल बाद अपने पड़ोसी मुल्क का ऐतिहासिक दौरा पूरा किया

युकी भांबरी और साकेत माइनेनी की आसान जीत के बाद युवा खिलाड़ी निकी पूनाचा ने किया अपना डेब्यू

इस्लामाबाद, एजेंसी

भारतीय टेनिस टीम ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए डेविस कप में 4-0 से मात दी. युकी भांबरी और साकेत माइनेनी के आसान जीत के बाद युवा खिलाड़ी निकी पूनाचा ने जीत के साथ अपना डेब्यू किया. इस जीत के साथ ही भारत ने 60 साल बाद अपने पड़ोसी मुल्क का ऐतिहासिक दौरा पूरा किया. भारतीय टीम ने पाकिस्तान को उनके घर में पीटकर वर्ल्ड ग्रुप एक में अपनी जगह पक्की कर ली है. युकी भांबरी और साकेत माइनेनी ने पाकिस्तान के मुजम्मिल मुर्तजा और अकील खान की जोड़ी को 6-2, 7-6 (5) से मात देकर भारत की पाकिस्तान पर दबदबे को बरकरार रखा. पाकिस्तान ने इस मुकाबले के लिए बड़ी चाल चलते हुए डबल्स मुकाबले में अनुभवी अकील खान को बरकत उल्लाह की जगह उतारा ताकि करो या मरो मुकाबले में उसे जीत मिल सके. हालांकि उनकी यह चाल भी काम नहीं आई और पाकिस्तानी टीम को अपने ही घर में करारी हार का सामना करना पड़ा. मुकाबले में युकी भांबरी और साकेत ने पाकिस्तानी जोड़ी को वापसी का एक भी मौका नहीं दिया और मैच में बढ़त बनाए रखते हुए जीत पक्की कर ली है।

पूनाचा ने दर्ज की आसान जीत

यूकी भांबरी और साकेत के डबल्स मुकाबले के बाद सिंग्ल्स मुकाबले की बारी थी. इस मैच में भारत की ओर से युवा निकी पूनाचा उतरे थे. निकी का यह डेब्यू मैच था. डेब्यू पर ही निकी ने पाकिस्तान का शिकार करते हुए मोहम्मद शोएब को 6-3, 6-4 से आसानी से हरा दिया।

भारतीय टीम को मिली कड़ी सुरक्षा

भारतीय टेनिस टीम को पाकिस्तान टेनिस महासंघ द्वारा कड़ी सुरक्षा में रखा गया. मैच के दौरान भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम देखने को मिला. पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने कई सुरक्षा एजेंसियों को तैनात कर यह सुनिश्चित किया कि इस ऐतिहासिक मुकाबले में किसी भी तरह की कोई अप्रिय घटना ना घटे।

लंच तक मैच: भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट का चौथा दिन, क्रॉले 73 रन बनाकर आउट हुए

इंग्लैंड ने 194 रन पर गंवाए 6 विकेट

भारत को जीत के लिए चाहिए 4 विकेट, रविचंद्रन अश्विन को मिलीं 3 सफलताएं

नईदिल्ली, एजेंसी

विशाखापट्टनम टेस्ट में भारत हावी हो चुका है। चौथे दिन का पहला सेशन खत्म होने तक इंग्लैंड ने 194 रन पर 6 विकेट गंवा दिए। 399 रन के टारगेट में टीम को अब भी 205 रन की जरूरत है। जबकि भारत को मुकाबला जीतने के लिए 4 विकेट चाहिए। इंग्लैंड से दूसरी पारी में लंच तक बेन स्टोक्स नॉटआउट रहे। क्रॉले 73 रन बनाकर आउट हुए। भारत से रविचंद्रन अश्विन पारी में 3 विकेट लेने के साथ ही करियर में 499 विकेट पूरे कर चुके हैं। 1-1 विकेट अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह को भी मिला। बता दें इंग्लैंड ने चौथे दिन के पहले सेशन में 5 विकेट गंवा दिए। टीम ने 67/1 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई थी। रेहान अहमद 23 रन बनाकर अक्षर पटेल का शिकार हुए। उनके विकेट के बाद भी इंग्लैंड ने अटैकिंग रूप जारी रखा लेकिन इसी कारण टीम ने लगातार विकेट भी गंवा दिए। पोप 23, जो रूट 16 और जॉनी बेयरस्टो 26 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जैक क्रॉले दूसरी पारी में भी फिफ्टी बनाने के बाद 73 रन के स्कोर पर कुलदीप यादव का शिकार हुए। बेन स्टोक्स खाता खोले बगैर एक एंड पर नॉटआउट रहे। दूसरे सेशन में उनके साथ बेन फोक्स इंग्लैंड की पारी आगे बढ़ाएंगे।

रविचंद्रन ने ओली पोप को बनाया शिकार, 23 रन बनाकर आउट

रविचंद्रन अश्विन ने ओली पोप को स्लिप में कैच आउट कराया। पोप को 23 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। 29वें ओवर की दूसरी बॉल अश्विन ने ऑफ स्टंप पर शॉर्ट पिच फेंकी, पोप कट करने गए लेकिन बॉल फर्स्ट स्लिप में खड़े रोहित शर्मा की तरफ चली गई। रोहित ने अपने बाएं तरफ बेहतरीन रिफ्लैक्स दिखाते हुए कैच पकड़ लिया। पारी में दूसरे विकेट के साथ अश्विन के 498 विकेट भी पूरे हो गए। उन्होंने इससे पहले बेन डकेट को भी पवेलियन भेजा था, उन्हें पहली पारी में कोई सफलता नहीं मिली थी। जैक क्रॉले ने अक्षर पटेल के खिलाफ चौका लगाकर दूसरे टेस्ट में अपनी दूसरी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 83 बॉल पर अर्धशतक लगाया। क्रॉले ने पहली पारी में भी फिफ्टी लगाई थी, वह 76 रन बनाकर आउट हुए थे। क्रॉले टेस्ट करियर में 12 फिफ्टी और 4 शतक लगा चुके हैं। भारत को चौथे दिन की पहली सफलता रेहान अहमद के रूप में मिली। अक्षर पटेल ने उन्हें एलबीडब्ल्यू किया, रेहान 23 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने जैक क्रॉले के साथ 45 रन की पार्टनरशिप की थी।

अश्विन दूसरी पारी में 3 विकेट ले चुके

रवि अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 3 विकेट ले चुके हैं। उन्होंने बेन डकेट, ओली पोप और जो रूट को पवेलियन भेजा। पोप के विकेट के साथ ही वह इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर बन गए। उनके अब 21 टेस्ट में 97 विकेट हो गए हैं। उन्होंने बीएस चंद्रशेखर को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 23 टेस्ट में 95 विकेट हैं। रविचंद्रन अश्विन ने जो रूट को शॉर्ट थर्ड मैन पर कैच कराया। 31वें ओवर की आखिरी बॉल पर रूट आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए लेकिन बॉल हवा में खड़ी हो गई। थर्ड मैन पर खड़े अक्षर पटेल ने कोई गलती नहीं की और कैच पकड़ लिया। रूट 10 बॉल में 16 रन बनाकर आउट हुए। अश्विन ने रूट के रूप में टेस्ट करियर का 499वां विकेट लिया। वह पारी में 3 विकेट ले चुके हैं, उन्होंने बेन डकेट और ओली पोप को भी पवेलियन भेजा।

इंग्लैंड के बल्लेबाज को हाथ से गेंद उठाकर विकेटकीपर को देना पड़ा भारी

अंपायर के आउट देने पर स्टुअर्ट ब्रॉड भड़के

कोलंबो, एजेंसी

इन दिनों खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में मैदान पर एक अनोखा कारनामा देखने को मिला, जिसको देख आप भी सोच में पड़ जाएंगे. पूरा माजरा जान आप कहेंगे कि खेल की भावना पूरी तरह से तार-तार हो गई.

दरअसल, टूर्नामेंट का 38वां मुकाबला इंग्लैंड और जिम्बाब्व के बीच खेला गया. मुकाबले में इंग्लैंड के बैटर हमजा शेख को रुकी हुई गेंद उठाना भारी पड़ गया, जिसके बाद उन्हें आउट दे दिया गया. इस मामले पर स्टुअर्ट ब्रॉड भी भड़के. इंग्लिश बैटर हमजा शेख 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' का शिकार हुए. ये वाक़या इंग्लैंड की पारी के 17वें ओवर के दौरान हुआ. बैटिंग कर रहे हमज़ा ने गेंद को उठाकर विकेटकीपर को देना चाहा. हमज़ा सिर्फ मदद करना चाहते थे, लेकिन उन्हें वही भारी पड़ गया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि इंग्लिश बैटर गेंद को उठाकर विकेटीकपर को पकड़ाते हैं, लेकिन इसी दौरान ज़िम्बाब्वे के विकेटकीपर रयान कामवेम्बा अपील कर देते हैं, जिसके बाद उन्हें आउट करार दिया जाता है. हालांकि फील्ड अंपायर इस मामले में थर्ड अंपायर की मदद मांगते हैं, जिसके बाद हमज़ा को आउट दे दिया जाता है. हमजा को इस तरह से आउट होता देख सभी हैरान हो जाते हैं. लेकिन वीडियो में देखा जा सकता है कि हमज़ा पूरी तरह से रुक चुकी गेंद को उठाकर विकेटकीपर को देते हैं. अक्सर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बैटर्स को ऐसा करते देखा जाता है, जब वो रुकी गेंद उठाकर फील्डिंग टीम के किसी खिलाड़ी को दे देते हैं. लेकिन इस वाक़ये के बाद बैटर्स ऐसा करने से बचा करेंगे।

हैरान रह गए ब्रॉड: पूर्व इंग्लिश पेसर स्टुअर्ट ब्रॉड ने इस मामले पर सोशल मीडिया के ज़रिए रिएक्शन देते हुए लिखा, वह रुकी हुई गेंद को फील्डर को दे रहा है? इसको आउट नहीं दे सकते. अगर कोई बैटर गेंद खेलने के बाद विरोधी टीम के फील्डर्स के काम में रुकावट पहुंचाता है या ध्यान भटकाता है, तो वह ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड होता है।

मेट्रो बाजार

पेटीएम का शेयर 3 दिन में 50% टूटा, टाटा मोटर्स के शेयर में तेजी

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी सोमवार को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 183 अंक की बढ़त के साथ 72,269 के स्तर पर खुला। निफ्टी में भी 68 अंक की तेजी रही। ये 21,921 के स्तर पर ओपन हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिल रही है। टाटा मोटर्स के शेयर में 7 फीसदी की तेजी है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से ऑनलाइन पेमेंट सर्विस देने वाली कंपनी पेटीएम पर 31 जनवरी को लिए गए एक्शन का बड़ा असर कंपनी के शेयरों पर दिखाई दे रहा है। 3 कारोबारी दिनों में ही कंपनी का शेयर 50 फीसदी टूट गया है। आज इसमें 10 फीसदी की गिरावट है। इससे पहले गुरुवार और शुक्रवार ये 20-20 फीसदी फिसला था। बता दें कि आरबीआई ने 31 जनवरी को पेटीएम पेमेंट बैंक की बैंकिंग सेवाओं पर बैन लगाने का आदेश जारी किया था। इससे पहले शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 440 अंक की तेजी के साथ 72,085 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 156 अंक की तेजी रही, ये 21,853 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में तेजी और 10 गिरावट देखने को मिली थी।

आज से एपीजे सुरेंद्र होटल्स के आईपीओ में निवेश का मौका: एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड का आईपीओ आज से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इसके लिए 7 फरवरी तक बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 147-155 प्रति शेयर रखा गया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी 920 करोड़ जुटाना चाहती है। इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक को मिनिमम एक लॉट यानी 96 शेयर के लिए अप्लाई करना होगा। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 155 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं तो आपको 14,880 लगाने होंगे।

8 साल की वॉरंटी के साथ ओला की ईवी बाइक लॉन्च

मुंबई, एजेंसी

ओला इलेक्ट्रिक ने भारत में एसवीएक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर का एक नया वैरिएंट बड़े बैटरी पैक के साथ लॉन्च किया है। इसमें 4 बैटरी मिलेगी। कंपनी का दावा है कि इसे फुल चार्ज करने पर 190 किमी की रेंज मिलेगी। कंपनी ने ई-स्कूटर के नए वैरिएंट की कीमत 1.10 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) रखी है। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनी ने बुकिंग शुरू कर दी है। इनकी डिलीवरी अप्रैल में शुरू होगी। इसी के साथ कंपनी ने देशभर में ओला सर्विस सेंटर, चार्जिंग नेटवर्क और बैटरी वारंटी बढ़ाने की भी घोषणा की है। ओला ने अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी पर 8 साल/ 80,000 किलोमीटर स्टैंडर्ड वारंटी देने की भी घोषणा की है। कस्टमर्स 4,999 रुपए देकर 1,00,000 किलोमीटर और 12,999 रुपए देकर 1,25,000 किलोमीटर तक बैटरी वारंटी को एक्सटेंड कर सकते हैं।

ओला परफॉर्मेंस वैरिएंट में और वैरिएंट की तरह ही 6हब-माउंटेड इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो पावर जनरेट करती है। यह 0-40 किमी की स्पीड सिर्फ 3.3 सेकेंड में पकड़ सकता है और टॉप स्पीड 90 किमी है। 3 राइडिंग मोड्स- इको, नॉर्मल और स्पोर्ट्स के साथ सस्पेंशन के लिए आगे की तरफ टेलिस्कोपिक फोर्क्स और पीछे ट्विन शॉक एब्जॉर्बर की सुविधा मिलती है। कंपनी के अन्य इलेक्ट्रिक स्कूटरों से ज्यादा अलग नहीं है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बचपन में गलत तरीके से छूआ था भूमि को, जिसे आज तक नहीं भूली

भूमि पेडनेकर जल्द ही 'भक्षक' फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस बीच एक इंटरव्यू के दौरान भूमि ने अपनी जिंदगी के कुछ पुराने किस्सों को शेयर किया। उन्होंने बताया कि 14 साल की उम्र में उनके साथ छेड़छाड़ हुई थी। वो ट्रॉमा इतना गहरा था कि भूमि आज दिन तक नहीं भुला पाईं। भूमि पेडनेकर ने साल 2015 में 'दम लगा के हइशा' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म भक्षक के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक इंटरव्यू में भूमि ने बताया कि जब वे 14 साल की थीं, तब हैरेसमेंट का शिकार हुई थीं। उन्होंने कहा- मुझे बहुत अच्छे से याद है, ये उन दिनों की बात है जब बांद्रा में फेयर लगते थे। मैं अपने परिवार के साथ फेयर घूमने आई थी। मुझे पता था कि मेरे साथ जो हो रहा था, वो गलत था। ऐसा नहीं है कि मैं अनजान थी। मैं चल रही थी और कोई मेरे पीछे चुटकी काट रहा था। हालांकि, मैंने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन मुझे समझ नहीं आया कि यह किसने किया क्योंकि वहां बहुत भीड़ थी। कोई मुझे बार-बार गलत तरीके से छूने की कोशिश कर रहा था। इस वजह से मैं बहुत परेशान हो रही थी। सोचिए मैं वहां अपने परिवार के साथ थी। बिल्डिंग के बच्चों का ग्रुप भी उस फेयर में मौजूद था। फिर भी ये सब हुआ। मुझे अभी भी वो पूरा इंसिडेंट अच्छी तरह से याद है। उसका चुटकी काटना और मुझे पिंच करना मैं कभी नहीं भूल सकती हूं। ऐसा लगता है जैसे आपका शरीर ये सब कभी नहीं भुला सकता। ये ऐसे आघात हैं जिनसे आप कभी नहीं उबर सकते।

लोगों के अंदर ये एक बीमारी जैसा है

भूमि ने आगे कहा- कई बार तो आप ये भी नहीं समझ पाएंगे कि ये हरकत किसने की है, क्योंकि आप भीड़ के बीच में होते हैं। जब हम स्कूल में थे, जुहू में एक ऑटोरिक्शा ड्राइवर था। स्कूल के सामने नहीं, लेकिन उसी एरिया के आसपास ऑटो लेकर खड़ा रहता था। हम उस दौरान पैदल ही घर वापस जाते थे। वो ऑटो वाला हमारे सामने कुछ-कुछ हरकतें करता था। सच कहूं तो यह एक बीमारी की तरह है। इस तरह की घटनाओं का आप पर बहुत बुरा असर पड़ता है। उस पल में, आप इतने स्तब्ध और सदमे में होते हैं कि आप समझ ही नहीं पाते कि क्या करना है। आप बहुत अपमानित महसूस करते हैं। भूमि पिछले साल 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'द लेडी किलर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। दोनों ही फिल्में फ्लॉप रहीं।

'शोले' की धुन बजाकर फरहान अख्तर ने इंस्टा अकाउंट पर किया शेयर

मल्टी टैलेंटेड पर्सनालिटी फरहान अख्तर एक्टर होने के साथ-साथ सिंगर, राइटर, फिल्ममेकर और परफॉर्मर भी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो गिटार पर 70 के दशक की क्लासिक कल्ट फिल्म 'शोले' की थीम बजाते नजर आ रहे हैं। फरहान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में फरहान सूट पहनकर सोफे पर बैठे गिटार पर 1975 में रिलीज हुई रमेश सिप्पी की फिल्म 'शोले' की थीम बजाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए फरहान ने लिखा, 'पहचानी यह थीम? फरहान के इस वीडियो पर उनकी बहन और फिल्ममेकर जोय अख्तर ने स्माइल इमोजी शेयर की है। वहीं वाइफ शिबानी दांडेकर ने हार्ट इमोजी बनाया। शोले के लीड एक्टर रहे अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन ने भी इस पोस्ट पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने फरहान के लिए हग इमोजी बनाया। वहीं सिंगर शान ने लिखा- 'लव्ड इट'।

डॉन-3 पर काम शुरू करने वाले हैं फरहान: वर्कफ्रंट पर फरहान की अगली फिल्म 'डॉन-3' है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो फरहान इस फिल्म को जल्द शुरू करने वाले हैं। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि इन दिनों फिल्म कास्टिंग स्टेज पर है। अगले महीने इसका प्री-प्रोडक्शन वर्क शुरू हो जाएगा। इस साल अगस्त से मेकर्स इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। डॉन-3 में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आएंगे। इससे पहले इस फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'डॉन' 2006 और दूसरी फिल्म 'डॉन-2' 2011 में रिलीज हुई थी। दोनों ही फिल्मों में शाहरुख खान ने लीड रोल प्ले किया था।

60 दिन मुंबई, 60 दिन लंदन में होगी फिल्म रामायण की शूटिंग

रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा उनकी अगली फिल्म 'रामायण' भी है। एक रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। टाइम्स की एक रिपोर्ट की मानें तो, 'यह फिल्म जल्द ही फ्लोर पर जाएगी। नितेश तिवारी मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। 60 दिनों तक मुंबई में इसकी शूटिंग करने के बाद रणबीर लंदन शेड्यूल के लिए निकल जाएंगे। वहां भी मेकर्स करीबन 60 दिनों तक फिल्म शूट करेंगे। चर्चा है कि लंदन में फिल्म के लंका पोर्शन की शूटिंग की जाएगी। लंदन शेड्यूल में रणबीर को साउथ के सुपरस्टार यश भी जॉइन करेंगे।' दूसरी तरफ फिल्म से जुड़े सूत्रों की मानें तो इसमें सनी देओल हनुमान का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसके लिए उन्होंने हामी भर दी है। वो हनुमान का रोल प्ले करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। सनी मई 2024 से इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट के लिए शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि, फिल्म के फर्स्ट पार्ट में सनी का गेस्ट अपीयरेंस ही होगा पर इसके सेकेंड और थर्ड पार्ट में स्क्रीन पर उनका पूरा प्रेजेंस होगा। नितेश तिवारी इस फिल्म का तीन पार्ट में बनाएंगे। फिल्म में रणबीर कपूर राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के रोल में नजर आएंगे। वहीं विभीषण के रोल के लिए मेकर्स साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति से चर्चा कर रहे हैं। इसके अलावा लारा दत्ता को कैकयी का रोल करने के लिए ऑप्ट किया गया है।

पान मसाले की दुकान का ताला तोड़कर 50 हजार की चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी स्थित एक पान मसाले की दुकान का ताला तोड़कर चोर पचास हजार का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक शिवनारायण अहिरवार लांबाखेड़ा में पान मसाले की दुकान चलाते हैं। दो फरवरी की रात करीब दस बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा मिला और गल्ले में रखी नकदी के अलावा सिगरेट और राजश्री पान मसाला के पैकेट समेत करीब 50 हजार का सामान गायब था। इधर गोविंदपुरा थानांतर्गत जूनियर एमआईजी साकेत नगर में रहने वाले प्रणय धुर्वे के घर का दिनदहाड़े ताला तोड़कर चोर अंदर रखी कीमती सायकिल चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गिरफ्त में वाहन चोर

भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने एक वाहन चोर गैंग को दबोचा है। इनसे 05 दुपहिया वाहन जिनकी कीमत अनुमानित 02 लाख 50 हजार रूपये बताई गई है।

स्वच्छता अभियान के तहत पुलिसकर्मियों ने पुलिस लाइन परिसर में की साफ-सफाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस लाइन एवं कार्यालयों में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत रविवार को पुलिस लाइन परिसर नेहरू नगर में आरआई जयसिंह तोमर के नेतृत्व मे स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें रक्षित केंद्र का स्टॉफ एवं लाइन के रहवासियों द्वारा लाइन परिसर में साफ-सफाई की। इसके साथ ही लाउडस्पीकर से अलाउंसमेंट कर लोगों को अपने निवास के आस-पास स्वच्छता बनाए रखने एवं घरों से निकलने वाला कचरा निगम की गाड़ी में डालने हेतु समझाइश दी गई। सभी पुलिस परिवारों को स्वच्छता बनाए रखने एवं कचरा घरों के आसपास नहीं फेंकने हेतु नोटिस दिए गए एवं बेहतर साफ सफाई रखने वाले परिवारों को सम्मानित भी किया गया। उल्लेखनीय है कि विगत 3 सप्ताह से प्रत्येक रविवार को रक्षित केंद्र एवं पुलिस लाइन के स्टॉफ द्वारा परिसर में निरंतर अभियान चलाया जाकर साफ सफाई की जा रही है और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

ट्रेनों में यात्रियों के सामान चोरी होने का सिलसिला जारी

स्टेशन पर ट्रेन से युवक का लैपटॉप ले उड़े चोर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों के सामान चोरी होने का सिलसिला जारी है। भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक युवक के ट्रेन में चढ़ने के पांच मिनट बाद ही लैपटाप वाला बैग गायब हो गया। युवक ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर उतरकर वापस भोपाल स्टेशन पहुंचा और जीआरपी पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस के मुताबिक सतना निवासी कामता प्रसाद नर्मदा एक्सप्रेस से कटनी जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचे। ट्रेन आने पर वह आगे की तरफ जनरल कोच में पहुंचे, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के कारण वह ट्रेन में नहीं चढ़ पाए। इसके बाद कामता प्रसाद एसी कोच में सवार हो गए। उनके पास जनरल टिकट था, इसलिए अगले स्टेशन पर उन्हें कोच बदलना था। कामता प्रसाद ने अपना पिट्ठू बैग एसी कोच में उतारकर रख दिया था। करीब पांच मिनट बाद देखा तो उनका बैग गायब हो चुका था। ट्रेन रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंची तो वह नीचे उतरे और बैग को तलाशते हुए वापस भोपाल स्टेशन पहुंचे और जीआरपी पहुंचकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

चोरी गए बैग में लैपटाप के अलावा आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी तथा इस्तेमाली कपड़े रखे हुए थे। पुलिस ने केस दर्ज कर बैग चोरी करने वालों की तलाश शुरू कर दी है।

खुद की और स्कूल स्टॉफ के नाम से आईडी बनाकर रेल टिकटों की दलाली

भोपाल। खुद की और स्कूल स्टॉफ के सदस्यों के नाम वाली आईडी से ई-रेल टिकट बनाकर उनकी दलाली करने वाले दो युवाओं को आरपीएफ ने पकड़ा है। इनके खिलाफ कार्रवाई की है, जांच पिछले एक सप्ताह से की जा रही है। इन दलालों के पास से 137 ई-टिकट मिले है, जिनकी कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई जा रही है। ये लंबे समय से दलाली का काम करते थे, आरपीएफ ने दावा किया है कि ये एक टिकट पर 50 से 100 रुपये अधिक लेते थे लेकिन सूत्रों के मुताबिक ये 1000 से लेकर 3000 रुपये अधिक में टिकट बेच देते थे।

भोपाल रेल मंडल आरपीएफ के अधिकारियों के मुताबिक भोपाल मण्डल की आरपीएफ द्वारा विभिन्न स्थानों में दबिश दी है। संत हिरदाराम नगर आरपीएफ पोस्ट ने शनिवार को मंडल मुख्यालय भोपाल से सूचना मिली थी कि तीन सस्पेक्टेड आइडियों के द्वारा रेल टिकट का अवैध कारोबार किया जा रहा है। इस संबंध में सहायक उपनिरीक्षक विजय सिंह मीना, प्रधान आरक्षक पुष्पेन्द्र सिंह जादौन, आरक्षक सजनेश कुमार यादव द्वारा उक्त आईडियों की जांच पड़ताल कर उन्हें खोजा और सम्पर्क कर पूछताछ की तो उक्त व्यक्तियों ने अपना नाम दीपक राय निवासी द्वारका नगर भोपाल, विशाल कुशवाह निवासी गंजबासौदा बताया। यह भी बताया कि आईआरसीटीसी से एजेंट आईडी उसकी स्वंय की आईडी है। उसके पास अन्य तीन आईडी है जो उसके दोस्त विशाल कुशवाह के द्वारा उपयोग में लाई जाती है। तीनों का उपयोग कर वह दोनों मिलकर अपने-अपने मोबाईल से अपनी और अपने परिवार के साथ-साथ अपने ग्राहको की भी टिकट बनाने का कार्य करते है। जिसके बदले में उचित रेलवे किराये के अलावा प्रति टिकिट ग्राहक से 50-100 रूपया कमीशन के रूप में टिकिटों के निर्धारित मूल्य से अधिक लेकर बेचते हैं। विशाल कुशवाह से उक्त आईडियों के संबंध में पूछताछ करने पर बताया कि समर्पण पब्लिक स्कूल, मंडी बामोरा में कम्पयूटर आपरेटर है। स्टाफ की आईडी का उपयोग कर आईआरसीटसी की साइट से पर्सनल यूजर आई.डी. बनाई थी।

तीन लाख रुपये मूल्य के 137 ई-टिकट जब्त

आरपीएफ द्वारा दोनों आरोपियों के कब्जे से 02 नग मोबाइल फोन एवं 02 लाईव टिकट कीमत 319.85/-रु. एवं तीनों आइडियों से बनाई गई कुल 135 नग उपयोग की हुई रेल ई टिकिट, कीमत 2,96,556/-रु, सहित कुल रेलवे ई टिकट 137 नग जिनका मूल्य 2,96,875.85/-रूपए को जप्त किए हैं। दोनों आरोपियों के विरूद्ध रेल अधिनियम के तहत मामला कायम किया है।

पिता ने शराब पीने से मना किया तो बेटे ने लगा ली फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित झुग्गी कैलाश नगर में बीती रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि वह शराब के नशे में घर पहुंचा था और पिता ने उसे फटकार लगा दी। अनुमान है?कि पिता की फटकार से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

एएसआई संजय सिसोदिया ने बताया कि मोहन पिता गोपीलाल सुनहरे (24) झुग्गी कैलाश नगर, अशोका गार्डन में रहता था और प्राइवेट काम करता था। मोहन सुनहरे आपराधिक प्रवृत्ति का था और थाने की गुंडा लिस्ट में भी उसका नाम है। पिता गोपीलाल ने बताया कि गत दिनों मोहन का एक्सीडेंट हो गया था और उसके हाथ पैर में एक्सीडेंट से चोट आई?थी। रविवार शाम वह शराब के नशे में घर पहुंचा था। उसे समझाइश दी कि दवाइयां चल रही है। शराब पीने से शरीर पर लगी चोट कैसे ठीक होगी। इस बात से वह दुखी होकर अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद उसके कमरे में पहुंचे तो पता चला कि उसने टीनशेड पर लोवर का फंदा बनाकर फांसी लगा ली है। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित बिजली कॉलोनी में बीती रात एक युवक ने फांसी लगा ली। उसके साथी उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी पश्चिम बंगाल में रहने वाले मृतक के परिजन को दे दी गई है। वे पश्चिम बंगाल से भोपाल के लिए निकल गए हैं। एएसआई राघवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि सम्राट पिता दिलीप (21) बिजली कॉलोनी, अशोका गार्डन में रहता था और आदित्य ब्रेड फैक्ट्री में काम करता?था। मूलत- पश्चिम बंगाल का रहने वाला सम्राट एक महीने पहले ही भोपाल शिफ्ट हुआ?था। सम्राट यहां पश्चिम बंगाल निवासी गोपाल और अन्य दोस्तों के साथ रह रहा था। गोपाल ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास सम्राट ने अपने कमरे में फांसी लगा ली थी। गोपाल की नजर सम्राट पर पड़ी और वह उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने बताया कि सम्राट की काफी देर पहले मौत हो चुकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मृतक के मोबाइल की सीडीआर निकलवा रही है।

स्कूटर पर अवैध शराब लेकर जा रहे दो युवक पकड़ाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ऐशबाग पुलिस ने स्कूटर पर अवैध शराब लेकर जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मेहता मार्केट के पास पुलिस ने स्कूटर सवार दो युवकों को रोका। पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम छोटेलाल और रवि कुशवाह निवासी बजरिया बताया। चेक करने पर दोनों के पास साढ़े चार हजार रुपये कीमत की अवैध शराब रखी मिली। इधर निशातपुरा पुलिस ने करोंद के पास मोहम्मद इरफान निवासी छोला मंदिर से दो हजार रुपए की अवैध शराब जब्त की गई है। दोनों ही मामलों में आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

घबराहट होने के बाद अस्पताल पहुंचे ट्रैफिक एएसआई की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी नगर इलाके में सांस लेने में तकलीफ और घबराहट होने के बाद अस्पताल पहुंचे एक ट्रैफिक एएसआई की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक रोशन सिंह (48) ट्रैफिक में एएसआई थे और गोविंदपुरा स्थित पुलिस लाइन में रहते थे। पहले वह भोपाल में पदस्थ थे, लेकिन वर्तमान

में उनका ट्रांसफर विदिशा हो गया था। रविवार दोपहर को रोशन सिंह अपनी सास से मिलने के लिए स्वदेश प्रेस के पास एमपी नगर स्थित बस्ती पहुंचे थे। इस बीच उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई और घबराहट होने लगी। वह बाथरूम पहुंचे तो वहीं बेहोश हो गए। परिजनों ने एम्बुलेंस की मदद उन्हें तुरंत ही इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर हार्ट अटैक आने से मौत होने की संभावना जताई गई है, लेकिन सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो पाएगा।

मेट्रो एंकर लापता बालिका को पुलिस ने इंदौर से बरामद किया, आरोपी गिरफ्तार

नाना-नानी से नाराज होकर घर से निकली नाबालिग से अधेड़ व्यक्ति ने किया दुराचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोलार रोड इलाके से लापता हुई एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने इंदौर से बरामद कर लिया है। पूछताछ में उसने नाना-नानी से नाराज होकर घर से निकलने के बाद एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति द्वारा दुराचार करने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण और दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति ने बीती 29 जनवरी को थाने पहुंचकर अपनी सोलह वर्षीय नाबालिग के घर से बगैर बताए कहीं चले जाने की शिकायत की। पुलिस ने इसम मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया था। मामला नाबालिग से जुड़ा होने के कारण किशोरी की तलाश में एक विशेष पुलिस टीम लगाई गई थी। इसी बीच किशोरी के इंदौर में होने का पता चलने पर एक टीम इंदौर भेजी गई। टीम ने लापता बालिका को मयूर नगर, मूसाखेड़ी थाना आजाद नगर इंदौर से दस्तयाब किया। पूछताछ करने पर बालिका ने बताया कि वह अपने नाना-नानी से नाराज होकर घर से निकली थी। कजलीखेड़ा के पास उसे प्रताप सिंह चावला (50) मिला। प्रताप ने बालिका को होस्टल में रूम दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया और बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके बाद उसने इंदौर की टिकट कराकर बस में बिठा दिया था, जिसके बाद वह इंदौर चली गई थी। बालिका बयानों के आधार पर पुलिस ने प्रताप सिंह चावला निवासी ग्राम थुआखेड़ा थाना कोला रोड को गिरफ्तार कर लिया है।

रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र स्थित होली मैदान में बीती रात करीब दस बजे के आसपास तीनों युवकों ने एक युवक को रोक लिया और उससे मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। चाकू युवक के सीने में लगने से उसे गहरी चोट आई है। उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के बयान दर्ज करने के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गालीगलौज समेत जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार रोशन कोरी पिता दीनदयाल कोरी (21) चांदबड़, स्टेशन बजरिया में रहता है। वह राजश्री फैक्ट्री में सफाईकर्मी है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि रविवार रात करीब दस बजे वह अंडे लेने गया था। वहां से होली मैदान होते हुए अपने घर लौट रहा था। रात करीब दस बजे के आसपास मैदान में उसे देवेंद्र जाटव, अभिषेक जाटव और राजू बसंता मिले। रोशन को देखते ही आरोपियों ने गालीगलौज शुरू कर दी। रोशन ने उन्हें गाली देने से मना किया तो मारपीट करने लगे। इसी बीच एक आरोपी ने रोशन पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू सीने पर लगने से रोशन गिर गया तो आरोपी उसे छोड़कर भाग निकले।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022